

साइबर अपराधों, कार्रवाई के साथ रोकथाम पर रहे जोर- सीएम साय

विश्व केसरी■
रायपुर। डिजिटल तकनीक के विस्तार ने आम नागरिकों के जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, साइबर अपराधों ने उतनी ही नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। मोबाइल बैंकिंग, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया और इंटरनेट आधारित सेवाएं अब शहरों से लेकर गांवों तक दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। इसके साथ ही ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, फर्जी निवेश, डिजिटल अरेस्ट और व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग जैसे अपराधों के तरीके भी लगातार बदल रहे हैं। इन परिस्थितियों में साइबर अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई जितनी आवश्यक है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है नागरिकों को पहले से इतना जागरूक बनाना कि वे धोखाधड़ी के प्रयासों को पहचान सकें और अपराध का शिकार होने से बच सकें। छत्तीसगढ़ में साइबर सुरक्षा को लेकर पुलिस



को कार्यप्रणाली में इसी सोच को विशेष महत्व दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ पुलिस साइबर अपराधों के विरुद्ध कार्रवाई के साथ उनकी रोकथाम के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित कर रही है। इसका उद्देश्य केवल

अपराधियों को पकड़ना नहीं, बल्कि नागरिकों को साइबर अपराधों के तौर-तरीकों से परिचित कराकर उन्हें डिजिटल रूप से सुरक्षित और सतर्क बनाना भी है। पुलिस का प्रयास है कि साइबर सुरक्षा की जानकारी समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे, ताकि नागरिक स्वयं अपनी सुरक्षा करने के साथ दूसरों को भी जागरूक

छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर 2026 तक संचालित सात सप्ताह का विशेष साइबर जागृति अभियान इसी दृष्टिकोण का उदाहरण है। प्रदेश की 34 पुलिस इकाइयों के माध्यम से चलाए गए इस अभियान में 5 लाख से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और 1 करोड़ 70 लाख से अधिक

नागरिकों तक सीधे साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाया गया। अभियान में 5.5 लाख से अधिक जागरूकता सेल्फी के माध्यम से नागरिकों की सहभागिता भी दर्ज की गई। **साइबर अपराधों के नए तरीकों की दी जानकारी** इस अभियान की विशेषता इसकी व्यापक पहुंच और स्थानीय सहभागिता रही। पुलिस ने

जागरूकता कार्यक्रमों को केवल शहरों और शैक्षणिक संस्थानों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि ग्राम पंचायतों, ग्राम सभाओं, हाट-बाजारों, धार्मिक आयोजनों और सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचकर लोगों से सीधा संवाद किया। विद्यार्थियों, महिलाओं, ग्रामीणों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों को साइबर अपराधों के नए तरीकों की जानकारी दी गई। **नकली निवेश योजनाओं और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए** अभियान को सात विषय आधारित सप्ताहों में संचालित किया गया। इनमें डिजिटल सुरक्षा, यूपीआई एवं ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट, महिलाओं की ऑनलाइन सुरक्षा, रोजगार संबंधी ठगी, डेटा गोपनीयता और सामूहिक साइबर सुरक्षा संकल्प जैसे विषय शामिल रहे।



विश्व केसरी■
रायपुर। बंगाली समाज का दुर्गा पूजा माना कैंप शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, इनके साथ में

ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू और नगर पंचायत अध्यक्ष संजय यादव श्री श्री दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष रंजीत डे भी शामिल हुए।

गरबा पंडालों में सादे कपड़ों में घूम रही पुलिस, मनचलों की खैर नहीं!

विश्व केसरी■
रायपुर। रायपुर में नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया आयोजनों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस ने खास तैयारी की है। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने असाмаजिक तत्वों और मनचलों पर नजर रखने के लिए विशेष पिंक पेट्रोल यूनिट को मैदान में उतारा है। महिला पुलिसकर्मी गरबा की ड्रेस में आम लोगों के बीच रहकर संधिगत गतिविधियों पर नजर रखेंगी। **पंडाल के अंदर ही पकड़े जाएंगे संधिगत** पुलिस की महिला टीम गरबा पंडालों के भीतर और प्रवेश द्वारों पर तैनात रहेगी। छेड़छाड़ करने, फर्जियां कसने, महिलाओं की आपत्तिजनक फोटो या वीडियो बनाने और अभद्र व्यवहार करने वालों पर खास नजर रखी जाएगी। ऐसे लोगों को रंगे हाथों पकड़कर कार्रवाई की जाएगी। पंडालों के आसपास के रास्तों पर भी पुलिस के पेट्रोलिंग वाहन लगातार गश्त करेंगे। किसी भी शिकायत या सूचना पर टीम तुरंत मौके पर पहुंचेगी। **महिलाओं से पुलिस की अपील** रायपुर पुलिस ने महिलाओं, युवतियों और बालिकाओं से बिना किसी डर के



गरबा और डांडिया का आनंद लेने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि किसी भी तरह की छेड़छाड़, संधिगत गतिविधि या अप्रिय घटना होने पर तुरंत सूचना दें। **ये नंबर कर लें नोट** गरबा पंडाल या शहर में कहीं भी परेशानी होने पर पिंक पेट्रोल यूनिट के हेल्पलाइन नंबर 9479210932 या आपातकालीन नंबर 112 पर संपर्क किया जा सकता है। पुलिस के मुताबिक, सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और त्वरित सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। अब गरबा आयोजनों के दौरान पुलिस की यह विशेष व्यवस्था महिलाओं की सुरक्षा और असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण के लिहाज से अहम होगी।

विपक्ष की ओछी हरकतें बताती हैं कि भारत को एक मजबूत नेतृत्व की वर्यो जरूरत है - सांसद कंगना रनौत

विश्व केसरी■
रायपुर। अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत छत्तीसगढ़ के रायपुर में शनिवार की रात को 'दोलिडा 2026' में हिस्सा लिया। 'दोलिडा 2026' शहर के सबसे बड़े नवरात्र रास गरबा आयोजनों में से एक है। अभिनेत्री ने रविवार को कोलकाता भगदड़ हादसा, विपक्ष के रिजोमि चेंज बयान और छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर बात की। कंगना रनौत ने अष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रायपुर में पहली बार गरबा में शामिल होने का अनुभव बहुत ही शानदार रहा। गुजरात से निकलकर गरबा अब पूरे देश में हो रहा है, जो अच्छी पहल है।



विपक्ष की ओर से सत्ता परिवर्तन (रिजोमि चेंज) को हड़ि लोग यह सब देख रहे हैं। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा, 'इस तरह की ओछी हरकतें देश को लगातार यह याद दिलाती हैं कि एक मजबूत नेतृत्व की कितनी जरूरत है। आपने देखा कि कल रात फ्रांस में क्या हुआ, वहां सब कुछ आग के हवाले कर दिया गया। आवश्यकता क्यों है?'

चोरबगान दुर्गा पूजा पंडाल में मची भगदड़ की घटना पर उन्होंने कहा, 'यह एक बेहद दुखद घटना है, वहां भगदड़ मच गई। यह दिल तोड़ने वाली बात है कि इतने खुशी भरे त्योहार के मौसम में, जब हर तरफ जश्न का माहौल है, तब इतने सारे लोग गहरे दुख में डूब गए हैं। मैं प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं सभी से अपील करती हूं कि वे ऐसी जगहों पर जाने से बचें, जहां भारी भीड़ हो। आगे कई त्योहार आने वाले हैं, दशहरा और दीपावली भी बिल्कुल करीब हैं। वहीं, कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर फोटोशूट के 'बिहाईड-द-सीन्स' (बीटीएस) पल साझा किए हैं।

भिलाई इस्पात संयंत्र की बिक्री को लेकर कांग्रेस का दुष्प्रचार शर्मनाक

विश्व केसरी■
रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने भिलाई इस्पात संयंत्र की बिक्री को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार पर कड़ा एतराज जताते हुए भिलाई स्टील प्लांट को निजी हाथों अथवा अडानी समूह को बेचे जाने की बातों को पूरी तरह मनगढ़ंत, भ्रामक और सफेद झूठ बताया है। यदि कांग्रेस नेताओं में जरा भी सच्चाई है, तो वे अनर्गल प्रलाप करने के बजाय जनता के सामने इसके ठोस तथ्य और प्रमाण पेश करें अन्यथा अपने इस सफेद झूठ के लिए बिना शर्त माफी मांगें। भाजपा सांसद वर्मा ने कहा कि भिलाई स्टील प्लांट केवल एक औद्योगिक प्रतिष्ठान नहीं, बल्कि भिलाई सहित समूचे छत्तीसगढ़ के मान-सम्मान, अस्मिता और लाखों श्रमिकों के पसीने की पहचान है।

विधायक सुनील सोनी ने खेल प्रतिभाओं को बांटे पुरस्कार



रायपुर। विधायक सुनील सोनी रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के प्रो.जे.एन. पाण्डेय स्कूल में आयोजित राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता रायपुर के समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने सभी को संबोधित कर इस सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई दी तथा विजेताओं को सम्मानित किए। इस प्रकार के आयोजन खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, समस्त प्रतिभाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

अर्बन चैलेंज फंड पर 21 अक्टूबर को कार्यशाला

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ में शहरी विकास, निवेश और अधोसंरचना के नए अवसरों पर संयंत्र के लिए 21 अक्टूबर को अर्बन चैलेंज फंड (CF) पर क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और हड़को द्वारा नवा रायपुर के एक निजी होटल में यह कार्यशाला आयोजित है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री अरुण साव विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यशाला में शामिल होंगे। अर्बन चैलेंज फंड (rban Challenge Fund) और अर्बन इन्वेस्ट विंडो (rban Invest Window) पर केंद्रित इस कार्यशाला में नीति निर्माता, विशेषज्ञ



और वरिष्ठ अधिकारी नगरीय निकायों में अधोसंरचना विकास, निवेश आकर्षित करने, परियोजनाओं के बेहतर वित्तीय प्रबंधन, नवाचार आधारित विकास मॉडल अपनाने और शहरों के सुनियोजित विस्तार पर विमर्श करेंगे। इससे राज्य के शहरों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने, शहरी अर्थव्यवस्था को गति

बस में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस



विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के भाटागांव बस स्टैंड से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां एक कंडक्टर ने फांसी लगा ली है। बताया जा रहा है कि कंडक्टर ने बस के अंदर फांसी लगाई हैं। घटना को लेकर पूरे बस स्टैंड में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है, दरअसल, यहां भाटागांव बस स्टैंड में बस के अंदर एक व्यक्ति का शव मिला। देखते ही देखते पूरे बस

स्टैंड में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि युवक बस में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। **जांच में जुटी पुलिस** घटना के बाद इसकी सूचना टिकरापारा पुलिस को दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दी। मृतक की पहचान बालाघाट के बखेली गांव के रूप में हुई है। हालांकि युवक किस वजह से फांसी लगाई है, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बस्तर दशहरा: सरगीपाल में परंपरागत विधि-विधान से संपन्न हुई ऐतिहासिक बेल पूजा

विश्व केसरी■
जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा की पारंपरिक रस्मों के तहत रविवार को सरगीपाल में ऐतिहासिक बेल पूजा श्रद्धा और विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। इस दौरान प्राचीन बेल वृक्ष पर प्राकृतिक रूप से एक साथ लगे युग्म बेल की पूजा-अर्चना की गई। लोकमान्यता के अनुसार, युग्म बेल को भगवान शिव और माता पार्वती के प्रतीक स्वरूप में देखा जाता है। पूजा के दौरान गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा। ग्रामीण महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीतों के बीच हल्दी की रस्म निभाई। अनुष्ठान में बस्तर राजपरिवार के सदस्य एवं माटी पुजारी कमलचंद भंजदेव ने परंपराओं का निर्वहन किया। बस्तर सांसद एवं बस्तर



दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। धार्मिक अनुष्ठान पूरा होने के बाद युग्म बेल को सावधानीपूर्वक वृक्ष से उतारा गया। इसके बाद पारंपरिक वाद्ययंत्रों और गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं की आस्था और पारंपरिक उल्लास के बीच पवित्र युग्म बेल को जगदलपुर स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर लाकर विधिपूर्वक स्थापित किया गया। बेल पूजा बस्तर दशहरा की उन विशिष्ट परंपराओं में शामिल है, जो क्षेत्र की लोकआस्था, धार्मिक मान्यताओं और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखती हैं। पीढ़ियों से चली आ रही यह रस्म बस्तर की विशिष्ट पहचान और मां दंतेश्वरी के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का प्रतीक है।

भारत में ‘रिजीम चेंज’ बिल्कुल संभव है- किरेन रिजिजू

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को देश में ‘रिजीम चेंज’ के असफल प्रयास के लिए युवाओं को भड़काने वाले ‘भारत-विरोधी’ गिरोहों और कुछ राजनेताओं की कड़ी आलोचना की।
रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत में ‘रिजीम चेंज’ बिल्कुल संभव है, लेकिन केवल चुनावों के माध्यम से, ‘सोरोस’ के माध्यम से नहीं। उन्होंने अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस का नाम लेकर मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर देश में हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों के पीछे विदेशी साजिश की ओर इशारा किया।
सोरोस और उनके नेटवर्क पर दुनिया भर में, विशेष रूप से रूढ़िवादी नेताओं द्वारा शासित देशों में विरोध प्रदर्शनों को वित्त पोषित करने के आरोप लगे हैं।
रिजिजू ने फ्रांस में हिंसा की नई लहर का हवाला देते हुए और



बांग्लादेश में हुए हिंसक सत्ता परिवर्तन का उदाहरण देते हुए भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश कर रहे बलों के असफल प्रयास की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हुई हिंसक घटना और फ्रांस में हुए दंगे, आगजनी और लूटपाट—इसी तरह की साजिश भारत के लिए भी रची गई

थी।
रिजिजू ने कहा कि भारत विरोधी गिरोहों और कुछ राजनेताओं ने मिलकर युवाओं को भड़काने और हमारी सड़कों पर हिंसा फैलाने की साजिश रची थी। लेकिन इस खतरनाक साजिश को रचने वाले यह भूल गए कि भारत न तो बांग्लादेश है और न ही फ्रांस।

भाजपा नेता की ये टिप्पणियां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को मतदाता सूची के एसआईआर में कथित अनियमितताओं के आरोप में हटाने की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच आई। विपक्षी दलों का दावा है कि अनियमितताओं के कारण 13 करोड़ से अधिक भारतीयों के नाम मतदाता सूची से छूट गए हैं।

इससे पहले शनिवार को, केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रशांत भूषण और अरविंद केजरीवाल सहित अन्य विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनके कार्यों ने उनके असली इरादों को उजागर कर दिया है।
उन्होंने विपक्षी दलों पर कथित तौर पर ‘टुकड़े-टुकड़े गिरोह’ का हिस्सा होने का भी आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशांत किशोर, प्रशांत भूषण, राहुल गांधी, और अरविंद केजरीवाल सभी के असली रंग सामने आ गए हैं। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को विश्व मानचित्र पर स्थापित किया है, न केवल मान्यता के मामले में, बल्कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के साथ देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करके; दूसरी तरफ, शिवसेना, कांग्रेस, और काँकरोच जनता पार्टी समेत ये सभी विपक्षी दल टुकड़े-टुकड़े गिरोह के सदस्य हैं।

इटली में हिंसक प्रदर्शन के बाद पुलिस कर्मियों से मिलीं पीएम मेलोनी, जताया आभार

विश्व केसरी■
रोम। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने मिलान में मचे उपद्रव के अगले दिन यानी रविवार को पुलिस और सुरक्षा बलों से मुलाकात कर उनका आभार जताया। उन्होंने अपराधियों की हिंसक गतिविधियों का डट कर सामना करने के लिए उनकी सराहना की।
मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की एक तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने लिखा, ‘एक बार फिर, सुरक्षा एजेंसियों के कर्मियों को उन अपराधियों की हिंसा का सामना करना पड़ा, जो संगठित समूहों के जरिए प्रदर्शनों का इस्तेमाल टकराव पैदा करने और अराजकता फैलाने के लिए करते हैं।’
अपना समर्थन जाहिर करते हुए इतालवी पीएम ने आगे लिखा, ‘ मैं उनके प्रति अपना पूरा समर्थन जताती हूँ और उन्हें दिल से



धन्यवाद देती हूँ। वे वहां नागरिकों, कामगारों, व्यापारियों और उन सभी लोगों की सुरक्षा के लिए मौजूद थे, जिन्हें अपने शहर में बिना किसी डर के रहने का अधिकार है—बिना यह देखे कि गुंडों की टोलियां उनके शहर को बर्बाद कर रही हैं या उसमें आग लगा रही हैं। मैं कहना चाहूंगी कि हम आपके साथ खड़े हैं।’

मध्यवर्ती क्षेत्र में शनिवार को महंगाई समेत अन्य मुद्दों को लेकर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हुई। इस दौरान दुकानों में लूटपाट की गई और आगजनी भी हुई। हिंसा के कारण अधिकारियों को पियाजा डेल आर्केड को खाली कराना पड़ा। इन स्थानों पर आमतौर पर बड़ी संख्या में खरीदार मौजूद रहते हैं।

क्या 120एचजेड डिस्प्ले सच में ज्यादा बैटरी खाती है? दूर करें कन्फ्यूजन

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। आजकल न सिर्फ प्रीमियम फोन्स बल्कि ज्यादातर बजट और मिड रेंज स्मार्टफोन्स में भी 120Hz तक का रिफ्रेश रेट स्पोर्ट देखने को मिलने लगा है। कंपनियां इसे स्मूद स्क्रॉलिंग, बेहतर गेमिंग और शानदार विजुअल एक्सपीरियंस के लिए फोन में देती हैं। हालांकि, कई लोगों के मन में ये सवाल भी रहता है कि क्या 120Hz डिस्प्ले यूज करने से फोन की बैटरी जल्दी खत्म होती है?



120Hz डिस्प्ले कैसे खर्च करती है ज्यादा बैटरी ?
रिफ्रेश रेट का मतलब है कि डिस्प्ले पर हर सेकंड में कितनी बार स्क्रीन पर मौजूद फोटो को रिफ्रेश करता है। जहां 60Hz डिस्प्ले एक सेकंड में 60 बार, जबकि 120Hz डिस्प्ले 120 बार रिफ्रेश हो सकती है। फोन में ज्यादा रिफ्रेश रेट होने से स्क्रॉलिंग और एनिमेशन ज्यादा स्मूद दिखाई देते हैं, लेकिन स्क्रीन को ज्यादा बार रिफ्रेश करने में एक्सट्रा पावर खर्च

हो सकती है। इसका असर खासतौर पर तब दिखाई दे सकता है, जब यूजर लंबे टाइम तक गेमिंग कर रहा हो या लगातार सोशल मीडिया पर स्क्रॉल कर रहा हो।
क्या हर मोबाइल में होती है ज्यादा बैटरी खर्च ?
सीधे तौर पर कहें तो ऐसा जरूरी नहीं है कि 120Hz डिस्प्ले वाले हर डिवाइस की बैटरी तेजी से खत्म हो। कुछ फोन्स में अब Adaptive Refresh Rate फीचर मिलने लगा है।

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। कुछ गंभीर बीमारियां शुरुआती दौर में बिना दर्द या स्पष्ट लक्षणों के बढ़ सकती हैं। हाई ब्लड प्रेशर, टाइप-2 डायबिटीज, फैटी लिवर और क्रॉनिक किडनी डिजीज ऐसी ही समस्याएं हैं। नियमित जांच, संतुलित खानपान से इनके जोखिमों को कम करने में मदद मिल सकती है।

हम में से ज्यादातर लोग मानते हैं कि शरीर में किसी बीमारी का सबसे पहला लक्षण दर्द होना है। स्ट्रोक से लेकर हार्ट अटैक जैसी समस्या में दर्द को कॉमन लक्षण माना जाता है। पर हर बार बीमारियां दर्द के संकेत के साथ आएँ, ये जरूरी नहीं हैं। कई बीमारियां ऐसी भी होती हैं जो लंबे समय तक बिना दर्द या स्पष्ट लक्षणों के भी शरीर को नुकसान पहुंचा सकती हैं।
कई बीमारियों में आप सामान्य महसूस करते रहते हैं, जबकि बीमारी धीरे-धीरे बढ़ रही होती है। हाई ब्लड प्रेशर, टाइप-2



डायबिटीज, फैटी लिवर और क्रॉनिक किडनी डिजीज में भी अक्सर शुरुआत में न कोई दर्द होता है और न ही कोई स्पष्ट लक्षण दिखते हैं।

रहते पता न चलने पर हृदय, किडनी और शरीर के दूसरे अंगों को नुकसान हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, साइलेंट बीमारियां हमारी सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा होती है, क्योंकि इनकी समय पर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, साइलेंट बीमारियां हमारी सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा होती है, क्योंकि इनकी समय पर

पहचान नहीं हो पाती है। इसलिए सिर्फ दर्द के आधार पर शरीर की समस्याओं का पता नहीं लगाना चाहिए। नियमित हेल्थ चेकअप यहीं सबसे बड़ी भूमिका निभाती है।
हाई ब्लड प्रेशर में भी नहीं होता है ज्यादा दर्द
हाई ब्लड प्रेशर को साइलेंट किलर कहा जाता है, क्योंकि बहुत से लोगों को बीपी बढ़ने के बावजूद कोई स्पष्ट लक्षण महसूस नहीं होते। लंबे समय तक ब्लड प्रेशर नियंत्रित न रहने पर हृदय, मस्तिष्क, आंखों और किडनी को नुकसान पहुंच सकता है।
ब्लड प्रेशर का पता लगाने के लिए नियमित जांच जरूरी है। केवल सिरदर्द या चक्कर आने के आधार पर ही इसका पता नहीं लगाया जा सकता।
जिन लोगों को पहले से ब्लड प्रेशर की दिक्कत है या फिर इसका खतरा है, उन्हें आहार में नमक कम रखने, नियमित व्यायाम और वेट को कंट्रोल में रखने पर ध्यान देना चाहिए।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप गंभीर, मौतों का आंकड़ा 1,196 पहुंचा, 2.13 लाख से अधिक मामले सदिग्ध

विश्व केसरी■
ढाका। बांग्लादेश में खसरे का अभूतपूर्व प्रकोप फैला हुआ है। रविवार सुबह 8 बजे (स्थानीय समय) तक पिछले 24 घंटों में खसरे जैसे लक्षणों के कारण सात बच्चों की मौत हो गई। इसके साथ ही, इस प्रकोप से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 1,196 हो गई है।
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के मुताबिक, बांग्लादेश में हुई सभी सात मौतों को खसरे (मीजल्स) से जुड़ी सदिग्ध माना गया है।
‘ढाका ट्रिब्यून’ की रिपोर्ट के मुताबिक, इन नई मौतों के साथ खसरे से जुड़ी सदिग्ध मौतों की कुल संख्या बढ़कर 1,092 हो गई



है, जबकि पुष्टि की गई मौतों की संख्या 104 पर ही बनी हुई है।
रविवार सुबह तक के 24 घंटों में बांग्लादेश में खसरे के 1,254 सदिग्ध मामले सामने आए, जिससे सदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 2,13,244 हो गई है। इसी दौरान, खसरे के 65 नए मामलों की पुष्टि हुई, जिससे देश में कुल पुष्ट

मामलों की संख्या बढ़कर 23,122 हो गई है।
‘द डेली स्टार’ की रिपोर्ट के अनुसार, ‘ढाका ट्रिब्यून’ ने बताया है कि डीजीएचएस के आंकड़ों के मुताबिक, 15 मार्च से बांग्लादेश के अस्पतालों में खसरे के 189,484 सदिग्ध मरीजों को भर्ती कराया गया है। इनमें से 181,756 मरीज ठीक

हो चुके हैं और उन्हें अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है।
‘द डेली स्टार’ की रिपोर्ट के अनुसार, डीजीएचएस में रोग नियंत्रण (डिजीज कंट्रोल) के पूर्व निदेशक बेनजीर अहमद ने पिछले हफ्ते कहा कि भले ही बांग्लादेश ने अप्रैल में यूनिसेफ के जरिए वैक्सीन मंगवाना फिर से शुरू करवा दिया है और इसके बाद एक आपातकालीन टीकाकरण अभियान भी चलाया है, लेकिन संक्रमण फैलने की रफ्तार को देखते हुए महामारी पर जल्द काबू पाना मुश्किल है।
जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस दोबारा फैलाव के लिए पिछली टीकाकरण कवरेज में कमियों और अस्पताल तथा मरीज प्रबंधन में खामियों को जिम्मेदार ठहराया है।

हावड़ा के सहयात्री क्लब के पूजा पंडाल में दर्शकों का प्रवेश बंद

विश्व केसरी■
हावड़ा। उत्तर कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गापूजा पंडाल में भगदड़ जैसी स्थिति में 19 दर्शनार्थियों की मौत के बाद हावड़ा के कदमतला स्थित सहयात्री सार्वजनिक दुर्गाोत्सव कमेटी के पूजा पंडाल में भी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। रविवार शाम को हावड़ा सिटी पुलिस ने पंडाल में नॉटिस चस्पा कर मुख्य प्रवेश द्वार को गार्ड रेल लगाकर बंद कर दिया।
शनिवार शाम को चोरबागान सार्वजनिक दुर्गाोत्सव कमेटी के पूजा पंडाल में भारी भीड़ के कारण धक्का-मुक्की और भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई थी। इस हादसे में 19 दर्शनार्थियों की मौत हो गई। घटना के बाद प्रशासन ने अन्य पूजा पंडालों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है।
इसी क्रम में रविवार दोपहर हावड़ा की जिलाधिकारी पी.



दीपाप्रिया के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के इंजीनियरों और पुलिस अधिकारियों की टीम ने मध्य हावड़ा के कदमतला स्थित सहयात्री क्लब के पूजा पंडाल का निरीक्षण किया।
इस वर्ष सहयात्री क्लब के पूजा पंडाल की थीम ‘केदारनाथ दर्शन’ रखी गई थी। पंडाल में संकरे पहाड़ी रास्ते से होकर ऊपर जाने पर केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाई

गई थी, जबकि अंदर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई थी। कलाकारों ने उमराखंड के प्रसिद्ध तीर्थस्थल को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया था। पिछले तीन दिनों से शाम होते ही यहां दर्शनार्थियों की भारी भीड़ जुट रही थी।
हालांकि, चोरबागान हादसे के बाद प्रशासन के निर्देश पर रविवार शाम पांच बजे के बाद पंडाल में दर्शनार्थियों का प्रवेश बंद कर दिया

गया। मुख्य द्वार पर गार्ड रेल लगाकर रास्ता घेर दिया गया, जिसके कारण दर्शन के लिए पहुंचे लोगों को निराश होकर लौटना पड़ा। कई लोगों को दूर से ही पंडाल देखकर वापस जाना पड़ा।
क्लब के पदाधिकारी देवाशीष मित्र ने बताया कि कमेटी प्रशासन के निर्देशों के अनुसार काम कर रही है। प्रशासन का मानना है कि पंडाल का ढांचा पर्याप्त मजबूत नहीं है। किसी संभावित दुर्घटना से बचने के लिए ही दर्शनार्थियों के प्रवेश पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया है। प्रशासन के अनुसार, पंडाल के निर्माण में लोहे के ढांचे का इस्तेमाल किया जाना चाहिए था।
इसके बजाय लकड़ी, बांस और ईंटों का इस्तेमाल किए जाने के कारण इसकी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई है। इसी की देखते हुए एहतियातन पंडाल में लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है।

अहमदाबाद के गुजरात विद्यापीठ में छात्रों को प्राकृतिक खेती की ट्रेनिंग, रसायन मुक्त कृषि पर जोर

विश्व केसरी■
गांधीनगर। अहमदाबाद में गुजरात विद्यापीठ विद्यार्थियों को प्राकृतिक खेती की थ्योरेटिकल और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दे रहा है। इसका मकसद युवा पीढ़ी को रसायन मुक्त भोजन और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूक करना है।
इसके तहत यहां पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को हर महीने 20 घंटे का प्रशिक्षण दिया जाता है और उन्हें नेचुरल फार्मिंग के साथ ऑर्गेनिक सब्जियों के उत्पादन के महत्व के बारे में बताया जाता है।
गुजरात विद्यापीठ के छात्र बिनेश कोठीवार ने आईएनएस से बातचीत के दौरान बताया कि यहां हमें सीखने को मिला कि प्राकृतिक खेती से हमारी जिंदगी में बहुत भोजन आ सकता है, जैसे कि उपज, जमीन, शुधन और सेहत में काफी सुधार आ सकता है। इसलिए हमारी कोशिश है कि पूरे गुजरात



में नेचुरल फार्मिंग को लागू किया जाए।
छात्र जानवी जादव ने बताया कि इस समय ज्यादातर केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल हो रहा है। इससे कई बीमारियां फैल रही हैं, इसलिए अगर हम नेचुरल फार्मिंग को महत्व दें और उस पर काम करें तो अच्छा होगा। यहां हमने इसका महत्व प्राकृतिक खाद व कीटनाशक बनाने के तौर-सिखा और यह भी जाना कि इसे कैसे करना

है। गुजरात विद्यापीठ प्रशासन के मुताबिक ‘स्वास्थ्य, समृद्धि के साथ संपदा संरक्षण’ के मंत्र के अंतर्गत स्टूडेंट्स को रासायनिक खेती और उर्वरकों के नुकसान के बारे में जानकारी दी जा रही है। साथ ही, उन्हें गाय के गोबर फार्मिंग को महत्व दें और उस पर काम करें से बीजामृत, जीवामृत, घन जीवामृत और प्राकृतिक खाद व कीटनाशक बनाने के तौर-तरीके सिखाए जा रहे हैं।

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शैलेश चौधरी ने कहा कि प्राकृतिक खेती के अंतर्गत बीजामृत, जीवामृत, घन जीवामृत का इस्तेमाल पोषण के लिए किया जाता है। इसे यहां स्टूडेंट खुद बनाते हैं, जब पूरी फसल तैयार हो जाती है और कोई बीमारी या कीट का सवाल होता है।

गुजरात विद्यापीठ के वाइस चांसलर डॉ. हर्षद पटेल ने कहा कि हमने बीआरएस पाठ्यक्रम में नेचुरल फार्मिंग का सब्सेक्ट शामिल किया है और स्टूडेंट्स को इसका अनुभव कैम्पस में ही मिल सके, इसके लिए हमने यहां प्राकृतिक खेती के माध्यम से सब्जियां उगाने की व्यवस्था की है। साथ ही जीवामृत और घन जीवामृत कैसे बनाए जाते हैं, इसे खेती में कैसे उपयोग करते हैं, इसका उत्पदन कैसे किया जाता है, इसके लिए विद्यार्थियों को सिखाया जा रहा है और प्रत्यक्ष अनुभव भी दिए जा रहे हैं।
असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शैलेश चौधरी ने कहा कि प्राकृतिक खेती के अंतर्गत बीजामृत, जीवामृत, घन जीवामृत का इस्तेमाल पोषण के लिए किया जाता है। इसे यहां स्टूडेंट खुद बनाते हैं, जब पूरी फसल तैयार हो जाती है और कोई बीमारी या कीट का सवाल होता है।

डिजिटल अरेस्ट के जरिए 29 लाख रुपये की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■
हैदराबाद। हैदराबाद पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर एक 63 वर्षीय सेवानिवृत्त कर्मचारी से 29 लाख रुपये से अधिक की ठगी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।
साइबर क्राइम पुलिस ने आरोपियों को ठगी की रकम के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने, धोखाधड़ी से हासिल धन निकालने और पैसों के लेनदेन का सुराग छिपाने के लिए उन्हें अलग-अलग बैंक खातों में जमा कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर साइबर ठगों के साथ मिलकर यूएसडीटी (डिजिटल करेंसी) से जुड़े लेनदेन में मदद करने और इसके बदले कमीशन लेने का भी आरोप है।
गिरफ्तार आरोपियों की पहचान



हैदराबाद निवासी मोहम्मद अशफाक हुसैन और अहमद नजीब उद्दीन के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, तीसरा आरोपी सचिन बंगलुरु का रहने वाला है और फरार है।
हैदराबाद शहर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं एसआईटी) एम. श्रीनिवासुलु ने रविवार को जारी एक बयान में आरोप की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 63 वर्षीय सेवानिवृत्त

कर्मचारी को 3 मार्च 2025 को अज्ञात लोगों के फोन आए थे। फोन करने वालों ने खुद को दिल्ली पुलिस, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का अधिकारी बताया था।
आरोपियों ने पीड़ित पर 6.8 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया और गिरफ्तारी की धमकी दी।

संपादकीय

संत रविदास: स्मृति, सम्मान और बेगमपुरा के स्वप्न की तलाश



गोलेन्द्र पटेल

‘ऐसा चाहूँ राज मैं, जहाँ मिले सबन को अन।

छोट-बड़ो सब सम बसै, रविदास रहे प्रसन्न॥’

मध्यकालीन संत-कवि रविदास और तुलसीदास की व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक स्वीकार्यता तथा जनमानस पर उनके गहरे प्रभाव से सभी प्रमुख राजनीतिक दल भली-भाँति परिचित हैं और उनकी विरासत के राजनीतिक महत्त्व को समझते हैं। संत शिरोमणि गुरु रविदास समानता, सामाजिक न्याय, श्रम की गरिमा और मानवीय बंधुत्व के महान प्रवर्तक थे। उनका ‘बेगमपुरा’ ऐसे समाज का स्वप्न है, जहाँ जातिगत भेदभाव, छुआछूत और विषमता के लिए कोई स्थान न हो। वर्ष 2014 से मोदी युग में संत रविदास की स्मृति, विरासत और विचारों को प्रतिष्ठित करने की दिशा में अनेक महत्त्वपूर्ण पहलें हुई हैं। वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर स्थित उनकी जन्मस्थली के विकास, भव्य प्रतिमा के अनावरण तथा संग्रहालय और पार्क संबंधी योजनाओं ने इस पवित्र स्थल को विशेष पहचान प्रदान की है। मध्य प्रदेश के सागर जिले के बड़तूसा में निर्मित भव्य संत रविदास मंदिर एवं स्मारक परिसर उनकी आध्यात्मिक विरासत और समतामूलक दर्शन को समर्पित उल्लेखनीय पहल है। पंजाब के आदमपुर हवाई अड्डे को गुरु रविदास के नाम से पहचान देने की पहल तथा उनके नाम पर रेल सेवा, डाक सेवा का उल्लेख भी सार्वजनिक जीवन में उनकी स्मृति को प्रतिष्ठित करने के प्रयासों से जुड़ा है। इसी क्रम में ‘श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान 2026’ के माध्यम से उनकी जन्मस्थली की पवित्र मिट्टी से जुड़े कलशों, यात्राओं और सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा समानता, सेवा, करुणा, सामाजिक न्याय और भाईचारे का संदेश प्रसारित करने का प्रयास किया गया है। गरीबों, दलितों और वंचितों के कल्याण के लिए संचालित आवास, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सहायता की योजनाएँ भी उनके समतामूलक आदर्शों के व्यापक संदर्भ में देखी जा सकती हैं। विभिन्न राज्यों में



संत रविदास के नाम से संचालित शिक्षा एवं स्वरोजगार संबंधी योजनाएँ भी सामाजिक उत्थान की भावना को आगे बढ़ाती हैं। इन पहलों के माध्यम से संत रविदास की स्मृति को मंदिरों, स्मारकों, सार्वजनिक संस्थानों और सामाजिक अभियानों से जोड़ने का प्रयास हुआ है। इनका व्यापक उद्देश्य उनकी वाणी को नई पीढ़ी तक पहुँचाना और समरस समाज की भावना को सुदृढ़ करना है। बेगमपुरा का स्वप्न तभी पूर्ण होगा, जब संत रविदास की वाणी समाज के व्यवहार में उतरे, जातिगत भेदभाव समाप्त हो, श्रम को सम्मान मिले और प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार तथा गरिमा प्राप्त हो। यही संत रविदास के प्रति सच्चा सम्मान और उनकी अमर विरासत का सार है। लेकिन संत रविदास के साहित्य के एक अन्धेरा के नाते मेरे मन में एक गंभीर अकादमिक प्रश्न उठता है—संत रविदास के प्रति सरकार जिस उदारता और सम्मान का परिचय देती है, क्या वही दृष्टि उच्च शिक्षा और शोध की व्यवस्था में भी दिखाई देती है? क्या उनके साहित्य, दर्शन और सामाजिक चिंतन पर पर्याप्त स्वतंत्र एवं मौलिक शोधकार्य को प्रोत्साहित किया जा रहा है? यदि कोई शोधार्थी संत रविदास पर शोध करना चाहे, तो क्या केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में उसे अपेक्षित अवसर और अकादमिक समर्थन प्राप्त होगा? यह प्रश्न इसलिए भी विचारणीय है कि मैंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की शोध-सूची का अवलोकन किया है, जिसमें संत रविदास पर कोई स्वतंत्र शोधकार्य मुझे दिखाई नहीं दिया। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी में स्थित है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय निर्वाचन क्षेत्र है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि संत रविदास की स्मृति और सम्मान को सार्वजनिक स्तर पर प्रतिष्ठित करने के साथ-साथ उनके साहित्य और विचारों को उच्च शिक्षा एवं शोध की मुख्यधारा में समुचित स्थान देने के लिए क्या पर्याप्त प्रयास हो रहे हैं? संत रविदास के प्रति सम्मान की सार्थकता तभी और व्यापक होगी, जब उनकी वाणी स्मारकों के साथ-साथ विश्वविद्यालयों के शोध-विमर्श में भी प्रतिष्ठित हो।

कविता

माता-स्तुति



लतिका भावे ‘लता’

बिना भी अब तो रहा न जाता.
अब तो रहा न जाता.

छौर-छौर वृक्षावली से तू सबको छाया देती
अपनी बाणगंगा से तू भक्तों की प्यास बुझाती
तेरी महिमा जितनी गाऊँ अब तो गाया भी न जाता.
अब तो रहा न जाता.

हे वैष्णवी माता पहाड़ों वाली ओ माता,
गिरते-पड़ते भक्तों पे तू ममता मेह बरसाती

भक्तों को मंदिर पहुँचाने शक्ति वरदान हूँ देती
लो तो तेरे द्वारे पहुँचे आदि कुमारी माता.
अब तो रहा न जाता.

हे वैष्णवी माता पहाड़ों वाली ओ माता,
मध्य बिराजे लक्ष्मी माता, धन वैभव की दानी,
एक ओर है शारदा मैयाँ, दूजी ओर भवानी
तेरे दर्शन पाकर जन-जन मनवाँछित फल पाता.
अब तो रहा न जाता.

हे वैष्णवी माता पहाड़ों वाली ओ माता,
जय माता की गुफाओं वाली,
जय माता की पहाड़ों वाली,
जय माता की त्रिकुटा वाली,
जय माता की मुकुटा वाली,
जय माता बाण गंगा वाली,
जय माता की, जय माता की.

मोबा. 9098708135.



ललित गर्ग

किसी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मूल्यांकन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, विशाल औद्योगिक परियोजनाओं, आधुनिक तकनीक, विदेशी निवेश और ऊँची प्रति व्यक्ति आय से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा मिले, श्रमिक को अपने भविष्य के प्रति विश्वास हो, वृद्धावस्था अभाव का पर्याय न बने और बीमारी किसी परिवार को आर्थिक संकट के गत में न धकेल दे। सामाजिक सुरक्षा इसी मानवीय विकास का आधार है। यह केवल सरकारी सहायता की व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के सम्मान, आत्मविश्वास, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक न्याय का ऐसा आधारस्तंभ है, जिस पर एक सशक्त एवं समावेशी राष्ट्र का निर्माण होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में जनकल्याणकारी योजनाओं के विस्तार के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को व्यापक बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। इन पहलों ने करोड़ों लोगों को विभिन्न प्रकार की आर्थिक, स्वास्थ्य, खाद्य और सामाजिक सहायता से जोड़ने में भूमिका निभाई है। हालाँकि, बदलती आर्थिक परिस्थितियों और विशाल श्रमबल की आवश्यकताओं को देखते हुए अभी इस दिशा में बहुत

कुछ किया जाना शेष है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सामाजिक सुरक्षा का दायरा वर्ष 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर 64.3 प्रतिशत यानी 94 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुँच गया है। यह विस्तार बताता है कि सामाजिक संरक्षण अब देश की विकास संबंधी प्राथमिकताओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। लेकिन सामाजिक सुरक्षा की सफलता का आकलन केवल लाभार्थियों की संख्या से नहीं होना चाहिए। वास्तविक प्रश्न यह है कि कितने लोगों को आवश्यकता के समय पर्याप्त सहायता मिलती है, कितने परिवार बीमारी और बेरोजगारी के संकट से उबर पाते हैं तथा कितने श्रमिक बुढ़ापे में सम्मानपूर्वक जीवन जीने की स्थिति में हैं। योजनाओं की व्यापकता के साथ उनकी पर्याप्तता, गुणवत्ता और निरंतरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सामाजिक सुरक्षा का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि यहां श्रमबल का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र से जुड़ा है। उपलब्ध श्रम संबंधी आंकड़ों के अनुसार, देश के कुल श्रमबल में लगभग 87 प्रतिशत हिस्सेदारी असंगठित क्षेत्र की है। खेतों में काम करने वाले किसान-मजदूर, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, रेहड़ी-पटरी वाले, छोटे दुकानदार, दैनिक वेतनभोगी और विभिन्न सेवाओं से जुड़े कामगार देश की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। लेकिन इनमें से बड़ी संख्या के पास नियमित वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना सुरक्षा जैसी सुविधाएँ नहीं हैं। रोजगार मिलने और छिनने के बीच उनका जीवन अक्सर अनिश्चितता से घिरा रहता है। ऐसे में सामाजिक सुरक्षा को केवल संगठित क्षेत्र तक सीमित रखना पर्याप्त

नहीं है। इसकी पहुँच उन हाथों तक भी सुनिश्चित करनी होगी, जो देश की उत्पादन व्यवस्था और सेवा अर्थव्यवस्था को अपने श्रम से संचालित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जनधन खातों, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, आधार आधारित पहचान और डिजिटल सार्वजनिक अवसररचना के माध्यम से सरकारी सहायता को लाभार्थियों तक पहुँचाने के लिए एक व्यापक व्यवस्था विकसित की है। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने बैंकिंग सुविधाओं से वंचित लोगों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने में योगदान दिया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ने अनेक योजनाओं में

निभाई है। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना योजना के माध्यम से स्वास्थ्य कवरेज के दायरे में लाने की पहल ने वृद्धावस्था में चिकित्सा संबंधी चिंताओं को कम करने का प्रयास किया है। फिर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और दवाओं तथा जाँच की लागत कम करने की आवश्यकता बनी हुई है। गंभीर बीमारी के कारण किसी परिवार की वर्षों की बचत समाप्त हो जाना या उसे कर्ज लेने के लिए विवश होना सामाजिक सुरक्षा



बिचौलियों की भूमिका कम करने और सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के खातों तक पहुँचाने का टल जाना, उन्हें प्रमाण सहित सामने रखना चाहिए। गंभीर आरोपों की जाँच होनी चाहिए, लेकिन आरोपों को प्रमाणित तथ्य मान लेना उचित नहीं है। ऐसे क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्ति के मूल्यांकन के लिए सनसनीखेज राजनीतिक विशेषण नहीं, बल्कि उपलब्ध तथ्यों, संस्थागत उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय हित की कसौटी आवश्यक है। पूरा भारत उन पर गर्व अनुभव करता है। अजीत डोभाल, राहुल गांधी की घटिया टिप्पणी के नहीं, ‘भारत रत्न’ के हकदार हैं। इस पर विचार किया जाना चाहिए।

डोभाल को भारत का महानायक कहना केवल किसी व्यक्ति के प्रति प्रशंसा व्यक्त करना नहीं, बल्कि उस व्यापक परंपरा का सम्मान करना है जिसमें राष्ट्र की सुरक्षा को निजी सुविधा और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर रखा जाता है। फिर भी किसी अधिकारी के प्रति सम्मान का अर्थ यह नहीं कि उसके निर्णयों पर प्रश्न नहीं उठाए जा सकते। लोकतंत्र

की अपूर्णता को उजागर करता है। स्वास्थ्य सुविधाएँ तभी प्रभावी सुरक्षा कवच बनेंगी, जब उपचार को उपलब्धता के साथ उसकी वहीनीयता भी सुनिश्चित होगी। आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में बनाने की संभावनाएँ मजबूत की हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी पहलें अलग-अलग वर्गों की आवश्यकताओं को संबोधित करती हैं। पीएम-किसान के माध्यम से पात्र किसान परिवारों को प्रत्यक्ष आर्थिक

रूप से विस्तार से बताए नहीं जा सकते। खुफिया सेवाओं में सफलता का अर्थ हमेशा सार्वजनिक प्रशंसा या उपलब्धियों का प्रचार नहीं होता। कई बार किसी संकट का टल जाना, किसी बड़ी क्षति का रुक जाना या किसी खतरे का समय रहते पता चल जाना ही सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। ऐसे क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्ति के मूल्यांकन के लिए सनसनीखेज राजनीतिक विशेषण नहीं, बल्कि उपलब्ध तथ्यों, संस्थागत उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय हित की कसौटी आवश्यक है। पूरा भारत उन पर गर्व अनुभव करता है। अजीत डोभाल, राहुल गांधी की घटिया टिप्पणी के नहीं, ‘भारत रत्न’ के हकदार हैं। इस पर विचार किया जाना चाहिए।

डोभाल को भारत का महानायक कहना केवल किसी व्यक्ति के प्रति प्रशंसा व्यक्त करना नहीं, बल्कि उस व्यापक परंपरा का सम्मान करना है जिसमें राष्ट्र की सुरक्षा को निजी सुविधा और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर रखा जाता है। फिर भी किसी अधिकारी के प्रति सम्मान का अर्थ यह नहीं कि उसके निर्णयों पर प्रश्न नहीं उठाए जा सकते। लोकतंत्र

सहायता मिलती है। अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों को वृद्धावस्था में नियमित आय की व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास करती है। जीवन ज्योति बीमा और सुरक्षा बीमा योजनाएँ क्रमशः जीवन बीमा तथा दुर्घटना बीमा के माध्यम से परिवारों को संभावित आर्थिक संकट से बचाने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, जिसे पीएम-पोषण के नाम से जाना जाता है, विद्यालयों में बच्चों को पोषिक भोजन उपलब्ध कराने के माध्यम से पोषण और शिक्षा से जुड़े सामाजिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाती है।

श्रमिकों की दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का दायरा बढ़ाने संबंधी कदम भी महत्वपूर्ण हैं। उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, 17 सितंबर 2026 से अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के लिए मासिक वेतन सीमा 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने का प्रावधान है। यदि इसका क्रियान्वयन निर्धारित स्वरूप में होता

है, तो लगभग 51 लाख अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्य भविष्य निधि व्यवस्था के दायरे में आ सकते हैं। यह बदलाव उन कर्मचारियों के लिए विशेष महत्व रखता है, जिनका वेतन बढ़ने के कारण वे पुरानी सीमा के बाहर रह जाते थे। भविष्य निधि में नियमित अंशदान से सेवानिवृत्ति के लिए बचत का आधार तैयार होता है, जबकि लागू प्रावधानों के अनुसार पेंशन और बीमा संबंधी सुविधाएँ भी परिवार को आर्थिक सहारा प्रदान कर सकती हैं। हालाँकि, इस विस्तार के साथ कर्मचारियों की वर्तमान हाथ में आने वाली आय, नियोजताओं की लागत और छोटे उद्यमों की वित्तीय क्षमता को साथ संतुलन बनाना भी आवश्यक होगा।

सामाजिक सुरक्षा के विस्तार में ई-श्रम पोर्टल एक महत्वपूर्ण माध्यम

बनकर उभरा है। बदलती योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों को अर्थव्यवस्था ने सामाजिक सुरक्षा के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था में काम करने वाले डिलीवरी कर्मियों, कैब चालकों और अन्य सेवा प्रदाताओं को रोजगार के अवसर तो मिलते हैं, लेकिन उनकी आय, कार्य-अवधि और भविष्य की सुरक्षा अक्सर अनिश्चित रहती है। इसी प्रकार महिलाओं, प्रवासी श्रमिकों, दिव्यांगों और वृद्ध नागरिकों की जरूरतें एक जैसी नहीं हैं। महिला श्रमिकों के लिए मातृत्व लाभ और सुरक्षित कार्यस्थल, प्रवासी श्रमिकों के लिए राज्य की सीमाओं से परे भी उपलब्ध रहने वाली सुविधाएँ तथा निर्माण श्रमिकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं तक सरल पहुँच सुनिश्चित करना आवश्यक है। सामाजिक सुरक्षा का ऐसा लचीला मॉडल विकसित होना चाहिए, जिसमें व्यक्ति के नियोजता, कार्यस्थल अथवा निवास स्थान बदलने पर भी उसके अधिकार बाधित न हों।

इसके साथ ही वृद्धावस्था और विधवा पेंशन की राशि को महंगाई के अनुरूप अधिक पर्याप्त बनाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय बढ़ाने और असंगठित श्रमिकों के लिए योगदान आधारित पेंशन तथा बीमा विकल्पों को सरल एवं सुलभ बनाने पर विशेष ध्यान देना होगा। पंचायतों, नगर निकायों और साझा सेवा केंद्रों को लिए बचत का आधार तैयार होता है, तथा पंजीकरण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा, जब आर्थिक विकास के साथ सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय गरिमा भी समान गति से आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक सुरक्षा का विस्तृत होना दायरा इस दिशा में एक महत्वपूर्ण नीतिगत परिवर्तन को रेखांकित करता है।

बोध कथा

जीवन का सत्य

एक व्यक्ति आध्यात्मिक ज्ञान की आशा में एक संत के पास पहुँचा। संत ने उसे एक राजा के पास जाने को कहा। वह व्यक्ति राजा के पास पहुँचा। राजा उसे अपने दरबार में ले गया। वहाँ का दृश्य देखकर वह व्यक्ति दंग रह गया। वहाँ नर्तकियाँ नृत्य कर रही थीं। लोग बैठकर मदिरा का सेवन कर रहे थे। वह घबराकर राजा से बोला- महाराज, मैं गलत जगह आ गया हूँ। अब यहाँ मैं एक पल नहीं रुक सकता। मैं तो कुछ जिज्ञासा लेकर आया था पर आप तो स्वयं ही भटकें हुए हो तो मुझे क्या मार्ग दिखाओगे।

राजा ने कहा- मैं भटका हुआ नहीं हूँ। आपने मेरा बाहरी रूप देखा है। आंतरिक देखोगे तो शायद आपकी राय बदल जाएगी। आप एक दिन रुक जाएँ। वह व्यक्ति वह रुक गया। उसे एक शानदार कमरे में ठहराया गया। उसमें काफी गद्देदार बिस्तर लगा था। वह व्यक्ति सक्ुचाता हुआ उस पर सोया। तभी उसकी नजर ऊपर की ओर गई। एक चमचमाती तलवार ठीक उसके सिर पर एक सूत से लटकती थी। अचानक उसके मन में ख्याल आया कि अगर धागा टूट गया तो। वह रात भर इस चिंता में सो नहीं पाया। सुबह राजा खुद उसके कमरे में पहुँचा। उसने पूछा- अच्छी नींद आई न? इस पर उस व्यक्ति ने कहा- खाक नींद आती। आपने तो ऐसी तलवार टांग रखी है कि नींद उड़ गई। रात भर यही चिंता रहती कि अगर यह गिर जाएगी तो क्या होगा। इस पर राजा ने मुस्कराकर कहा- इसी तरह ही नींद की तलवार मेरे ऊपर टंगी रहती है। मेरे सामने बहुत सी चीजें रहती हैं पर मेरा ध्यान तो मृत्यु पर रहता है। अगर हर व्यक्ति यह मानकर चले कि सब कुछ के बावजूद मृत्यु ही जीवन का सत्य है तो वह किसी भी चीज में लिस नहीं होगा।

व्यंग्य केसरी

वायरल पीढ़ी का आनंद लोक



बेबाक बनारसी

पहले के जमाने में नाम रोशन करने के लिए बरसों घिसना पड़ता था, कोई बोर्ड परीक्षा में टॉप करता था, कोई खेल के मैदान में पसीना बहाता था, तो कोई बरसों रियाज के बाद मंच पर पहुँच पाता था। मगर अब हमारी नई पीढ़ी बड़ी व्यावहारिक दृढ़ चुकी है। उसने समय की नब्ब पहचान ली है और समझ लिया है कि जब कीचड़ उछालने से ही लाखों व्यूज मिल सकते हैं, तो गंगा

नहाने की मेहनत कौन करे? ?अब रातों-रात ‘सेलिब्रिटी’ बनने का नुस्खा बड़ा सीधा है, फोन का फ्रंट कैमरा ऑन कीजिए, चेहरे पर जितनी हो सके उतनी बेशर्मा बटोरिए और शब्दकोश के सबसे सड़े हुए हिस्से को अपनी जुबान पर सजा लीजिए। क्या लड़के और क्या लड़कियाँ, इस प्रतियोगिता में बराबरी का ऐसा अद्भुत सामंजस्य देखने को मिलता है कि महिला सशक्तिकरण की आत्मा भी एक काने में बैठकर सिर धुन रही होगी। जो जितने धड़ल्ले से, जितनी गंदी और नई गाली पूरे आत्मविश्वास के साथ कैमरे पर फेंक दे, एल्गोरिथ्म का देवता उस पर उतनी ही मेहरबान हो जाता है। गाली जितनी तीखी, रील्स पर ‘लाइक’ और ‘शेयर’ का अंबार उतना ही भारी। ?और इस पूरे तमाशे का सबसे गौरवशाली दृश्य घर के भीतर घटा जाता है। वही माँ-बाप, जो कभी बच्चे के मुँह से

गलती से ‘अबे’ सुन लेते थे तो जीभ पर मिर्च राख्डने की धमकी देते थे, आज सोफे पर बैठकर बड़े गर्व से छाती फुलाए रील्स स्कॉल करते हैं। बाप मोहल्ले के नुककड़ पर शर्मा जी से गर्व से कहता है, ‘सुना आपने? हमारे चिट्ठू ने आज सुबह जो वीडियो डाली थी, उसमें तीन लाख व्यूज आ गए! क्या गजब की रीबरदार जुबान पाई है लौंडे ने। खानदान का नाम तो यही अमर करेगा।’ उधर माँ किटी पार्टी में पड़ोसन को मोबाइल की स्क्रीन दिखाते हुए इतारती है, ‘देखिए न, हमारी पिंकी कैमरे के आगे कितनी सहज है! बिल्कुल झिझकती नहीं। पहले तो वाक्यों में ही सामने वाले की सातों पीढ़ियों का कच्चा-चिट्ठा खोलकर रख देती है। संस्कार तो हमारे ही हैं, बस थोड़ा मॉडर्न अंदाज में परोसती है।’

माता-पिता अब संस्कारों की

वसीयत नहीं, बल्कि ‘फॉलोअर्स काउंट’ का बहीखाता सहेज रहे हैं। घर का माहौल ऐसा बन चुका है मानो बच्चा कोई क्रांतिकारी काम करके लौटा हो। यदि किसी दिन बच्चा कोई कायदे की, समझदारी भरी बात कह दे, तो घरवाले चिंतित हो जाते हैं कि कहीं इसकी ‘रीच’ न गिर जाए। शर्म, हया और तहजीब अब पुराने जमाने के म्यूजियम की चीजें बन चुकी हैं। समाज भी वाह-वाह कर रहा है, कमेंट सेक्शन में तालियाँ पीट रहा है और स्क्रीन पर थूकते हुए अंगूठे से ‘लाइक’ देवा रहा है। नाम तो सचमुच रोशन हो रहा है, बस फर्क इतना है कि यह रोशनी किसी दीये की नहीं, बल्कि उस घर की चोखट पर लगी आग की है, जिसमें संस्कार और गरिमा दोनों स्वाहा हो रहे हैं। लेकिन चिंता किस है? जब तक व्यूज का मीटर चिक्ले है, तब तक तमाशा जारी रहेगा।

इतिहास

19 अक्टूबर का दिन भारत और विश्व इतिहास की कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है: प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ 1689: औरंगजेब की सेना ने रायगढ़ किले पर कब्जा किया था। 1781: अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ब्रिटिश सेना ने यॉर्कटाउन में आत्मसमर्पण किया। 1813: जर्मनी के लाइपजिग में ‘बैटल ऑफ द नेप्स’ (राष्ट्रों का युद्ध) समाप्त हुआ, जिसमें नेपोलियन बोनापार्ट को हार मिली। 1900: जर्मन वैज्ञानिक मैक्स प्लैंक ने ‘प्लांक का नियम’ (ब्लैक बॉडी एमिशन का नियम) दुनिया के सामने रखा। 1950: मदर टेरेसा ने कोलकाता में ‘मिशनरीज ऑफ चैरिटी’ की स्थापना की। 1970: पहला रूसी सुपरसोनिक लड़ाकू विमान रुस-21 भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल हुआ।

बदहाली का दंश झेल रहा नेहरू बाल उद्यान

झूले और व्यायाम उपकरण जर्जर, साफ-सफाई व रखरखाव के अभाव में उद्यान की रौनक पड़ी फीकी

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। धार्मिक नगरी शिवरीनारायण आज विकास की दिशा में अपनी अलग पहचान बना रहा है, लेकिन नगर के बीच स्थित नेहरू बाल उद्यान अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। कभी नगरवासियों के स्वास्थ्य और बच्चों के मनोरंजन का प्रमुख केंद्र रहा यह उद्यान आज उपेक्षा का शिकार होता नजर आ रहा है। उद्यान में लगे बच्चों के झूले, लाइटें और बच्चों के लिए स्थापित व्यायाम उपकरण खराब हो चुके हैं। इसके बावजूद इनके सुधार और उद्यान के व्यवस्थित रखरखाव की दिशा में जिम्मेदार विभाग द्वारा कोई ठोस पहल होती दिखाई नहीं दे रही है।

एक समय था, जब नेहरू बाल उद्यान की सुंदरता, साफ-सफाई और हरियाली की चर्चा नगर ही नहीं, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी होती थी। सुबह-शाम यहां लोगों की अच्छी-खासी भीड़ जुटती थी। बुजुर्ग टहलने आते थे, युवा दौड़ लगाते थे और नगरवासियों छोटे-मोटे व्यायाम कर अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते थे। बच्चों के लिए भी यह उद्यान मनोरंजन का प्रमुख स्थान हुआ करता था।

उद्यान की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तुस्मा, दुर्पा, मुडुपार, गोधना, कुरियारी, कनस्टा, केरा, खरौद और सलखन सहित आसपास के गांवों से भी अभिभावक अपने बच्चों को घुमाने और खिलाने के लिए यहां लेकर आते थे।



लोगों की नियमित आवाजाही को देखते हुए उद्यान में कैंटीन की व्यवस्था भी की गई थी। लेकिन समय के साथ व्यवस्थाएं कमजोर होती गईं और कभी आकर्षण का केंद्र रहा यह उद्यान अब बदहाली की तस्वीर पेश कर रहा है।

बच्चों के मनोरंजन से लेकर बुजुर्गों की सेहत तक पर असर

उद्यान में लगे झूले और अन्य मनोरंजन के साधन खराब होने से बच्चों को खेलने के लिए पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। वहीं, व्यायाम के लिए लगाए गए उपकरणों के टूटने से नियमित रूप से यहां आने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लाइटों की खराब स्थिति और साफ-

सफाई की कमी उद्यान की सुंदरता को प्रभावित कर रही है।

नगरवासियों का मानना है कि यदि समय रहते उद्यान की मरम्मत, साफ-सफाई और नियमित देखरेख पर ध्यान दिया जाता, तो इसकी स्थिति इतनी खराब नहीं होती। सार्वजनिक उद्यान केवल मनोरंजन का साधन नहीं होते, बल्कि वे लोगों के स्वास्थ्य, बच्चों के विकास और सामाजिक मेलजोल के भी महत्वपूर्ण केंद्र होते हैं।

राजनीतिक चर्चाओं के बीच जनहित का सवाल

नेहरू बाल उद्यान की बदहाल स्थिति को लेकर नगर में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। कुछ लोग इसे प्रशासनिक उदासीनता से

जोड़ रहे हैं, तो कुछ इसे राजनीतिक नजरिये से भी देख रहे हैं। हालांकि, इन चर्चाओं के बीच सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आखिर नगरवासियों को मिलने वाली सार्वजनिक सुविधाओं के रखरखाव पर ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है ?

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से इतर यदि जनहित के दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नेहरू बाल उद्यान की वर्तमान स्थिति निश्चित रूप से चिंता का विषय है। नगर के विकास का वास्तविक आकलन केवल नई योजनाओं और निर्माण कार्यों से नहीं, बल्कि पहले से मौजूद सार्वजनिक संपत्तियों के संरक्षण और रखरखाव से भी किया जाना चाहिए।

अब जिम्मेदार प्रशासन से उम्मीद

अब नगरवासियों की निगाहें जिम्मेदार प्रशासन और संबंधित विभाग पर टिकी हैं। जरूरत है कि नेहरू बाल उद्यान का निरीक्षण करकर खराब झूलों, लाइटों और व्यायाम उपकरणों की मरम्मत कराई जाए। साथ ही, नियमित साफ-सफाई, हरियाली के संरक्षण और बेहतर रखरखाव की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

अब देखना यह है कि जिम्मेदार प्रशासन जनहित को प्राथमिकता देते हुए इस उद्यान की पुरानी रौनक लौटाने के लिए कब तक ठोस कदम उठाता है। आखिर नेहरू बाल उद्यान केवल एक पार्क नहीं, बल्कि नगरवासियों की सेहत, बच्चों की मुस्कान और शिवरीनारायण की पुरानी पहचान से जुड़ा एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल है।

विकासखण्ड शंकरगढ़ में कलेक्टर ने परखी योजनाओं की जमीनी हकीकत



विश्व केसरी■
बलरामपुर (आफताब आलम)। योजनाएं कार्यों से निकलकर धरातल पर कितनी उतरी हैं, इसे सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने विगत दिवस शंकरगढ़ विकासखण्ड क्षेत्र का सघन दौरा किया। प्रातः 9 बजे निर्यात संयुक्त कार्यालय से शुरू हुआ यह मेराथन दौरा लगातार 10 घंटे चला और शाम 7 बजे पोड़ी खुर्द के आमापास स्थित बहुदेशीय केन्द्र में संपन्न हुआ। शासन की

मंशा के अनुरूप चल रहे सड़क व मिशन और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का यह सीधा भौतिक परीक्षण था। जिले के अंतिम छोर तक पहुंचकर कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों से लेकर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निर्माण कार्यों तक हर व्यवस्था को बारीकी से जांचा। दौरे में जहां अच्छे कार्यों को सराहना मिली, वहीं लापरवाही पर सख्ती भी साफ दिखाई दी।

व्यापारी संघ ने निकाली माता रानी की मव्य चुनरी यात्रा, जयकारों से गूंजा शिवरीनारायण

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में शारदीय नवरात्र पर्व के अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का माहौल बना हुआ है। इसी कड़ी में सप्तमी के पावन अवसर पर थाना चौक व्यापारी संघ के तत्वावधान में माता रानी की भव्य चुनरी यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे नगर का वातावरण माता रानी के जयकारों से भक्तिमय हो गया।



चुनरी यात्रा थाना चौक से सुख-समृद्धि, खुशहाली और शक्ति की मंगलकामना की। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों की धुन पर नाचते-गाते और माता रानी के जयकारे लगाते हुए

आगे बढ़े। चुनरी यात्रा में थाना चौक व्यापारी संघ के सदस्यों के साथ नगरवासियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और छोटे बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

श्रीराम मंदिर में सुविधाओं का विस्तार, विधायक अमर अग्रवाल ने किया नवनिर्मित सभागृहों का लोकार्पण

उप मुख्यमंत्री अरुण साव की स्वीकृति से अधोसंरचना मद से मिले 82 लाख रुपए

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। शहर के ऐतिहासिक श्रीराम मंदिर परिसर में धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के लिए सुविधाओं का विस्तार हुआ है। विधायक अमर अग्रवाल ने आज मंदिर परिसर में नवनिर्मित रघुनाथ एवं रघुनंदन सभागृह, कर्मचारी आवास तथा परिसर उन्नयन कार्यों का लोकार्पण किया। लगभग 1 करोड़ 22 लाख रुपए की लागत से बनी इन कार्यों में उप मुख्यमंत्री अरुण साव की स्वीकृति से शासन के अधोसंरचना मद से 82 लाख रुपए तथा जनसहयोग एवं दान निधि से लगभग 40 लाख रुपए का योगदान मिला है।

विधायक अमर अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि मंदिर आस्था के केंद्र होने के साथ ही समाज को जोड़ने और संस्कारों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्रीराम मंदिर बिलासपुर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां सुविधाओं के विस्तार से श्रद्धालुओं को सहूलियत मिलेगी और धार्मिक तथा सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजनों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा।



उन्होंने निर्माण कार्यों में सहयोग देने वाले दानदाताओं और मंदिर समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शासन और समाज के साझा प्रयासों से जनहित के कार्यों को बेहतर स्वरूप मिलता है। मंदिर परिसर के पिछले हिस्से में नदी की ओर लगभग 3 हजार वर्गफीट क्षेत्र में श्री रघुनाथ सभागृह बनाया गया है। इसमें लगभग 800 श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था है। यहां धार्मिक आयोजन, प्रवचन, भजन एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। बड़े सभागृह की उपलब्धता से विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाएं और सुगम होंगी।

जनसहयोग से भी हुआ निर्माण

जनसहयोग एवं दान निधि से लगभग 40 लाख रुपए की लागत से दो मंजिला भवन भी निर्मित किया गया है। करीब एक हजार वर्गफीट क्षेत्र वाले इस भवन के निचले हिस्से में रघुनंदन सभागृह बनाया गया है, जिसमें लगभग 100 लोगों के बैठने की सुविधा है। यह सभागृह छोटे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के लिए उपयोगी होगा। भवन की ऊपरी मंजिल पर मंदिर के कर्मचारियों के लिए आवास बनाए गए हैं। लगभग 125 वर्ष पुराने श्रीराम मंदिर में इन निर्माण और उन्नयन कार्यों से श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बढ़ी हैं। नए सभागृहों से मंदिर में नियमित गतिविधियों के साथ बड़े एवं छोटे आयोजनों के सुव्यवस्थित संचालन में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में महापौर पूजा विधानी, जोन अध्यक्ष मधुबाला टंडन,वार्ड पार्षद अजना कश्यप, बबलू कश्यप, मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह,पूर्व उप नेता प्रतिपक्ष नगर निगम, श्रीराम मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रमोद कल्ले और सचिव संजीव बाटवे समेत अन्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

महिला की चाकू मारकर हत्या

विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। न्यायथानो बिलासपुर के सकरी थाना क्षेत्र में देर रात एक महिला की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। ग्राम मेझा में हुई इस वारदात में 50 वर्षीय राजकुमारी यादव की जान चली गई। गंभीर हालत में महिला को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने एक संदिग्ध आरोपी को हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं है। बिलासपुर के सकरी थाना क्षेत्र के ग्राम मेझा में हुई इस हत्या की वारदात से हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक, देर रात राजकुमारी यादव

पर चाकू से हमला किया गया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही सकरी थाना प्रभारी संजय शिंदे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने मामले में एक संदिग्ध आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ ही आसपास के लोगों से भी जानकारी ली जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर महिला पर हमला किन परिस्थितियों में हुआ और इस वारदात के पीछे क्या वजह थी।

रवि एजेंसी का भव्य शुभारंभ आज, ग्राहकों को मिलेंगे शानदार ऑफर

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नगर के केरा रोड स्थित बैराज मोड़ पर 19 अक्टूबर, सोमवार को रवि एजेंसी का भव्य शुभारंभ होने जा रहा है। शुभारंभ के अवसर पर ग्राहकों के लिए आकर्षक ऑफर प्रस्तुत किए जा रहे हैं। एजेंसी में फर्नीचर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध होगी, जहां ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार विभिन्न घरेलू सामानों की खरीदारी कर सकेंगे।

रवि एजेंसी में घर की साज-सज्जा से लेकर दैनिक उपयोग तक के सामान एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने की तैयारी की गई है। फर्नीचर की आकर्षक रेंज में सोफा सेट, दीवान, लकड़ी की अलमारी, ड्रेसिंग टेबल, कंप्यूटर टेबल, पर्लंग, गैड और तर्किए सहित कई उत्पाद शामिल हैं। वहीं इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों में एलईडी



बल्ब, ट्यूबलाइट, पंखे, मिक्सर-ग्राइंडर, इलेक्ट्रिक आयरन, गैस कुकटॉप, टेलीविजन, फ्रिज और वाशिंग मशीन जैसे उत्पाद उपलब्ध होंगे।

शुभारंभ पर आकर्षक ऑफर

एजेंसी के शुभारंभ अवसर पर ग्राहकों को विभिन्न उत्पादों की खरीदारी पर विशेष ऑफर दिए जाएंगे। इनमें एलईडी बल्ब, प्लास्टिक स्टूल, कुर्सियां, पूजा मंदिर, टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन सहित अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुएं शामिल हैं।

इसके अलावा फर्नीचर की विभिन्न श्रेणियों में भी ग्राहकों को अपनी पसंद के उत्पाद चुनने का अवसर मिलेगा। एक ही छत के नीचे फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक्स की सुविधा

रवि एजेंसी का उद्देश्य शिवरीनारायण और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों को फर्नीचर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की विविध रेंज एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। इससे ग्राहकों को अपनी घरेलू जरूरतों के सामान की खरीदारी के लिए अलग-अलग दुकानों के चक्कर लगाने से राहत मिल सकेगी। 19 अक्टूबर को होने वाले इस भव्य शुभारंभ के साथ रवि एजेंसी क्षेत्र के ग्राहकों के लिए खरीदारी का नया विकल्प लेकर आ रही है। ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर और उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला इस शुभारंभ को खास बनाने जा रही है।

समितियों और नागरिकों की विसर्जन के नए मार्ग पर बनी सहमति

विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। शहर की उत्सव परंपरा को अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए आयोजन समितियों एवं नागरिकों ने मिलकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आगामी वर्ष गणेश विसर्जन से झांकियां और विसर्जन के लिए प्रतिमाएं रिवर व्यू रोड मार्ग से निकाली जाएंगी। कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह की मौजूदगी में दुर्गा उत्सव आयोजन समितियों के प्रतिनिधियों, शांति समिति के सदस्यों एवं नागरिकों के साथ रिवर व्यू ग्राउंड में हुई बैठक में विस्तृत विचार-विमर्श के बाद नए मार्ग पर सर्वसम्मति से सहमति बनी। इस वर्ष दुर्गा विसर्जन पूर्व निर्धारित मार्ग से ही होगा।



खुली बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा और और यातायात का दबाव कम होगा तथा भावना के साथ अगले वर्ष गणेश बाजारों में आवागमन एवं व्यापारिक गतिविधियां सुचारु रखने में भी मदद

मिलेगी। प्रतिनिधियों ने कहा कि झांकियां और प्रतिमाएं निकाले जाने पर लोगों को परिवार सहित शांतिपूर्वक झांकियों के दर्शन करने का बेहतर अवसर मिलेगा। मुख्य सड़कों पर भीड़ और यातायात का दबाव कम होगा तथा भावना के साथ अगले वर्ष गणेश बाजारों में आवागमन एवं व्यापारिक गतिविधियां सुचारु रखने में भी मदद

मिलेगी। प्रतिनिधियों ने कहा कि झांकियां और प्रतिमाएं निकाले जाने पर लोगों को परिवार सहित शांतिपूर्वक झांकियों के दर्शन करने का बेहतर अवसर मिलेगा। मुख्य सड़कों पर भीड़ और यातायात का दबाव कम होगा तथा भावना के साथ अगले वर्ष गणेश बाजारों में आवागमन एवं व्यापारिक गतिविधियां सुचारु रखने में भी मदद

माता शबरी के बेर से भारत का बैर मिटेगा : सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। परम पूज्य सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज ने शिवरीनारायण धाम में मीडिया से चर्चा करते हुए सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता, जातिवाद, नदी संरक्षण तथा क्षेत्र के आध्यात्मिक विकास को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया।

गुरुदेव ने कहा कि जिस पावन धरती पर माता शबरी ने भगवान श्रीराम को प्रेम और भक्ति से बेर खिलाए थे, उसी शिवरीनारायण की भूमि से एक दिन पूरे भारत में जातिगत बेर मिटने और सामाजिक समरसता स्थापित करने का दिव्य संदेश जाएगा। सद्गुरु ने कहा कि प्रयागराज की तरह शिवरीनारायण भी संगम की पवित्र भूमि है। भारत की सभी नदियाँ गंगा, यमुना और नर्मदा की भाँति पूजनीय हैं। उन्होंने शिवरीनारायण में निरंतर नदी आरती आयोजित करने वाले आयोजकों एवं स्थानीय नागरिकों के प्रयासों की सराहना की।



‘नदी को सुरक्षित रखना ही उसकी सबसे बड़ी आरती’

सद्गुरु जी ने कहा, ‘सबसे बड़ी आरती यही है कि नदी सुरक्षित हो, कल-कल निनाद करती हुई बहे।’

उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल नदी की पूजा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे प्रदूषण से बचना भी हमारा कर्तव्य है। जल ही जीवन की आधारशिला है। यदि नदियाँ सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त रहेंगी, तभी मानव जीवन

सुखी एवं आनंदमय हो सकेगा। सद्गुरु ने स्मरण कराया कि वर्षों पहले जब वे शिवरीनारायण आए थे, तब यह क्षेत्र अपेक्षाकृत उपेक्षित दिखाई देता था। उन्होंने उस समय स्थानीय जनप्रतिनिधियों को नदी आरती प्रारंभ करने का सुझाव दिया था, जिससे क्षेत्र की सांस्कृतिक चेतना के साथ सुख-समृद्धि भी बढ़े। आज नियमित आरती की व्यवस्था देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की और आयोजकों, जनप्रतिनिधियों तथा जनता को शुभाशीष दिया।

‘शबरी के बेर ने जातिवाद पर प्रहार किया था’

सामाजिक समरसता पर सद्गुरु जी ने अत्यंत प्रभावशाली संदेश देते हुए कहा कि माता शबरी और भगवान श्रीराम का प्रसंग जातिगत भेदभाव के विरुद्ध सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण आदर्श है।

जय हिंद नगर में 35 फीट ऊंचे रावण का होगा दहन

विश्व केसरी■
अकलतरा (नीरज शर्मा)। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी शहर के वार्ड क्रमांक 2 स्थित जय हिंद नगर में विजय दशमी के पावन पर्व पर भव्य रावण दहन की तैयारियां जोरो पर हैं। इस वर्ष यहाँ 35 फीट ऊंचे रावण का पुतला तैयार किया जा रहा है, जिसे देखने के लिए आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की उम्मीद है।

शोभायात्रा और झांकी का होगा विशेष आकर्षण

आयोजकों के अनुसार, दशहरा के दिन रावण दहन से पूर्व एक भव्य झांकी निकाली जाएगी। इस झांकी में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान



श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ भक्त हनुमान भी शामिल होंगे। इसके अलावा, पारंपरिक रूप से रावण की झांकी की आकर्षण का

केंद्र रहेगी, जो शहर में धार्मिक और उत्साह का माहौल बनाएगी।

स्थानीय व्यापार और मेले सा माहौल

इस आयोजन से न सिर्फ धार्मिक उत्सास बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। रावण दहन स्थल के आसपास कई छोटे व्यापारी, चाट-पकौड़ी, खिलौने और अन्य सामानों के ठेले वाले अपनी दुकानें सजाएंगे। एक छोटे मेले का यह स्वरूप आने वाले समय में इसे और बढ़े उत्सव का रूप देने की ओर इशारा कर रहा है, जिससे स्थानीय व्यापार को भी एक नया मंच मिल रहा है।

सोना इस हफ्ते तीन हजार और चांदी दस हजार रुपए से अधिक सस्ती हुई

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। सोने और चांदी में इस हफ्ते बड़ी गिरावट देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुओं का दाम क्रमशः 3,000 रुपए और 10,000 रुपए से अधिक घट गया।
इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 3,004 रुपए कम होकर 1,46,426 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,49,430 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। 22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,34,126 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,36,878 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,09,820 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,12,073 रुपए प्रति 10 ग्राम था।
इस हफ्ते 24 कैरेट सोने में सबसे न्यूनतम दाम 15 अक्टूबर को



सुबह के सत्र में 1,45,564 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, 22 कैरेट सोने में 1,48,425 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को

2,21,109 रुपए प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 12 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 2,20,874 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 15 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 2,07,098 रुपए प्रति किलो देखा गया। आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम करीब 4,186 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 57 डॉलर प्रति औंस के करीब था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के कारण डॉलर का महंगा होना है, जिससे दोनों कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ रहा है। वहीं, महंगाई बढ़ने से व्याज दरों में इजाफे की संभावना से निवेशक दोनों कीमती धातुओं में बिकवाली कर रहे हैं।

सितंबर में रूस से कच्चे तेल का आयात 13 प्रतिशत घटा, बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया संकट का असर: रिपोर्ट

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। बढ़ती तेल कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण सितंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात 13 प्रतिशत घट गया। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एनर (सीआरईए) की रिपोर्ट के अनुसार, यह लगातार दूसरा महीना है जब रूसी कच्चे तेल का आयात कम हुआ है और अप्रैल के बाद यह सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है।
रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते लाल सागर (रेड सी) के व्यापार मार्ग और होर्मुज जलडमरूमध्य दोनों प्रभावित हुए, जिससे वैश्विक तेल बाजार पर दबाव बढ़ा और कीमतों में उछाल आया।
भारत में रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा संचालित जामनगर रिफाइनरी में रूसी कच्चे तेल का आयात 27 प्रतिशत घटा। वहीं इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की



पारादीप रिफाइनरी में आयात 21 प्रतिशत कम हुआ, जबकि नायरा एनर्जी की बांडिनार रिफाइनरी में इसमें 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सितंबर में भारत रूस का दूसरा सबसे बड़ा जीवाश्म ईंधन खरीदार बना रहा। इस दौरान भारत ने 4.1 अरब यूरो मूल्य के रूसी हाइड्रोकार्बन का आयात किया, जिसमें 88 प्रतिशत हिस्सा कच्चे तेल का था। रूस से इससे अधिक खरीद केवल चीन ने की।

वाले थे। ट्रंप ने कहा कि यह निर्णय अमेरिका के 'राष्ट्रीय हित' में लिया गया है। इससे भारत और चीन को मौजूदा स्तर पर रूसी तेल आयात जारी रखने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2026 में रूस के यूराल ग्रेड कच्चे तेल की औसत कीमत महीने-दर-महीने 32 प्रतिशत बढ़कर 90.7 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई। यह अप्रैल 2026 के बाद सबसे ऊंचा मासिक औसत स्तर है और यूरोपीय संघ तथा ब्रिटेन द्वारा निर्धारित 44.1 डॉलर प्रति बैरल की मूल्य सीमा से दोगुने से भी अधिक है। यह मूल्य सीमा 1 फरवरी 2026 से प्रभावी हुई थी और यूरोपीय संघ के 21वें प्रतिबंध पैकेज के तहत इसे बरकरार रखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर में होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले तेल परिवहन में महीने-दर-महीने 60 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई, इसके बावजूद वैश्विक जीवाश्म ईंधन की कीमतें ऊंची बनी रहीं।

तिमाही नतीजे, एफआईआई निवेश और वैश्विक संकेत तय करेंगे दिशा

विश्व केसरी■
मुंबई। अगला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए बड़ा अहम होने वाला है। सितंबर तिमाही (क्यू2) के नतीजों, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश रुख, वैश्विक बॉन्ड यील्ड और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। निवेशक यह आकलन करेंगे कि हालिया मजबूत तेजी के बाद बाजार अपनी गति को बरकरार रख पाता है या नहीं।
बीते सप्ताह की बात करें तो, निफ्टी 50 में 2.77 प्रतिशत और सेंसेक्स में 3.11 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इस तेजी को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में नई खरीदारी, वैश्विक बॉन्ड यील्ड के दबाव में कमी और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की लगातार खरीदारी का समर्थन मिला। शुक्रवार को भी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में बढ़त दर्ज की, जिससे हालिया करेक्शन के बाद बाजार में रिकवरी की उम्मीदें और मजबूत हुईं।
सेंसेक्स 413.66 अंक यानी 0.56 प्रतिशत बढ़कर 74,729.27 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 में 148.80 अंकों या 0.65 प्रतिशत की तेजी आई और यह 23,146.15 के स्तर पर बंद हुआ। पूरे सप्ताह के दौरान सेंसेक्स में 2,256.94 अंकों और निफ्टी में 625.7 अंकों की बढ़त दर्ज की गई। अब बाजार प्रतिभागियों की नजर सितंबर तिमाही के नतीजों पर रहेगी। निवेशक यह देखेंगे कि हालिया तेजी केवल आईटी शेयरों



तक सीमित रहती है या अन्य सेक्टरों में भी फैलती है। बैंकिंग, उपभोक्ता और औद्योगिक कंपनियों के नतीजों तथा प्रबंधन की टिप्पणियों पर विशेष नजर रहेगी, ताकि राजस्व वृद्धि, मार्जिन में सुधार और मांग की स्थिति का आकलन किया जा सके।

आने वाली तिमाहियों के लिए कंपनियों द्वारा जारी मार्गदर्शन (गाइडेंस) भी निवेशकों की धारणा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मजबूत नतीजे और सकारात्मक कारोबारी संकेत बाजार को समर्थन दे सकते हैं, जबकि कमजोर प्रदर्शन या सतर्क रुख आगे की तेजी को सीमित कर सकता है। बाजार की दिशा तय करने में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का रुख भी अहम रहेगा। हालांकि विदेशी निवेशकों की बिकवाली में कुछ कमी आई है, लेकिन यदि यह सिलसिला जारी रहा तो बाजार पर दबाव बन सकता है। वहीं, घरेलू

संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की लगातार खरीदारी बाजार को सहारा दे सकती है। वैश्विक बॉन्ड यील्ड और मौद्रिक नीति को लेकर उम्मीदें भी निवेशकों के फोकस में रहेगी। यदि बॉन्ड यील्ड में फिर से तेजी आती है तो इक्विटी बाजार के मूल्यांकन पर दबाव बढ़ सकता है, क्योंकि ऐसे में फिक्स्ड इनकम निवेश अपेक्षाकृत अधिक आकर्षक हो जाते हैं। इसके विपरीत, यील्ड में नरमी जोखिम लेने की क्षमता को बढ़ा सकती है और शेयर बाजार में निवेश को प्रोत्साहित कर सकती है।

कच्चे तेल की कीमतें और भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी अगले सप्ताह महत्वपूर्ण रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में लगातार बढ़ोतरी भारत के आयात बिल को बढ़ा सकती है, महंगाई पर दबाव डाल सकती है और कंपनियों के मार्जिन को प्रभावित कर सकती है।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का आधिकारिक स्ट्रीमिंग पार्टनर बना जियोहॉटस्टार रायपुर के मैदान से पूरी दुनिया देखेगी राज्य के खिलाड़ियों का हुनर

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के स्ट्रीमिंग पार्टनर जियोहॉटस्टार द्वारा लीग के सभी मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। मैदान के साथ ही जियोहॉटस्टार पर लोगों को 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक रोजाना शाम 5:30 बजे से विश्व स्तरीय हॉकी के 18 रोमांचक मैच देखने को मिलेंगे।
छत्तीसगढ़ हॉकी लीग भारत की पहली आधिकारिक राज्य हॉकी लीग है, जिसे हॉकी के छह शहरों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह प्रेंचाइजी शामिल होंगी। यह लीग एक लीग फॉर्मेट में आयोजित की जाएगी, जिसमें शीप चार टीमों सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जबकि फाइनल मैच 1 नवंबर 2026 को खेला जाएगा।
लीग में भारतीय हॉकी के कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल होंगे, जो मुख्य आकर्षण (मार्की खिलाड़ी) के रूप में रहेंगे। इनमें ओलंपियन सुरेंद्र कुमार, प्रदीप मोर, एस.वी. सुनील, ललित कुमार उपाध्याय, शमशेर और चिंगलेनसाना सिंह कंगुजाम जैसे नाम शामिल हैं, जो इन छह प्रेंचाइजी का नेतृत्व करेंगे। पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ, छत्तीसगढ़ का खेल एवं युवा कल्याण विभाग टूर्नामेंट के पहले दिन महिलाओं के लिए एक प्रदर्शनी मैच (एग्जीबिशन मैच) भी आयोजित करेगा, ताकि महिला हॉकी को बढ़ावा दिया जा सके।
खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक आकांक्षा शिक्षा खलखो ने बताया कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग भारतीय हॉकी के इतिहास में एक बेहद शानदार अध्याय की शुरुआत है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य के खिलाड़ियों को राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतरिन प्रदर्शन करने का मौका देना है। लीग के सभी मैचों की जियोहॉटस्टार पर लाइव स्ट्रीमिंग से लीग को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी। रायपुर के मैदान से राज्य के खिलाड़ियों का हुनर पूरी दुनिया देखेगी।

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। शीर्ष अर्थशास्त्री क्यूंथून किम ने रविवार को कहा कि पिछले एक दशक में भारत की आर्थिक प्रगति सराहना की हकदार है। उन्होंने कहा कि देश की लगातार मजबूत आर्थिक वृद्धि और बेहतर होती आर्थिक स्थिति भविष्य के लिए आशावाद के पर्याप्त कारण प्रदान करती है।
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट में किम ने कहा कि भारत के सामने अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं, लेकिन इसके बावजूद आर्थिक रूप से तेजी से आगे बढ़ने की देश की क्षमता और मध्यम अवधि की विकास संभावनाएं बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा निष्कर्ष वही है। भारत के सामने कई चुनौतियां हैं, लेकिन विशेष रूप से पिछले दशक में उसकी आर्थिक प्रगति और मध्यम अवधि में सकारात्मक विकास संभावनाएं (आईएमएफ), एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और विश्व बैंक जैसे लगभग सभी प्रमुख वैश्विक संस्थानों ने चालू वर्ष और अगले वर्ष के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 7 प्रतिशत से अधिक कर दिया है। अर्थशास्त्री के अनुसार,



कोविड-19 महामारी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने असाधारण मजबूती का प्रदर्शन किया है। महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था में 5.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई थी, लेकिन इसके बाद 2021 में 9.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई और अगले चार वर्षों तक विकास दर 7 प्रतिशत से ऊपर बनी रही। किम ने कहा कि उनके सहित कई अर्थशास्त्रियों को लगातार अपनी विकास दर संबंधी भविष्यवाणियों में ऊपर की ओर संशोधन करना पड़ा, क्योंकि प्रत्येक तिमाही के जीडीपी आंकड़े उम्मीदों से बेहतर रहे। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप भारत ने लगातार पांच वर्षों तक 7 प्रतिशत से अधिक की विकास दर दर्ज की है। यह प्रदर्शन 2003 से 2007 के उस दौर के बराबर है, जब भारत पहली बार दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ था।

शीर्ष 10 कंपनियों की मार्केट वैल्यू में 3.65 लाख करोड़ रुपए का उछाल

विश्व केसरी■
मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में बीते सप्ताह आई तेज उछाल के बीच देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 9 के संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैपिटलाइजेशन) में 3.65 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल और इंफोसिस सबसे अधिक लाभ पाने वाली कंपनियों के रूप में उभरीं।
दत्ताल स्ट्रीट पर सकारात्मक माहौल के बीच सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 2,256.94 अंक यानी 3.11 प्रतिशत चढ़ा, जबकि निफ्टी में 625.7 अंकों यानी 2.77 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।
शीर्ष 10 कंपनियों में टीसीएस सबसे बड़ी वैल्यू क्रिएटर रही। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 1,08,542.63 करोड़ रुपए बढ़कर 8,91,134.96 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसके बाद भारती एयरटेल का स्थान रहा, जिसकी मार्केट वैल्यू 61,406.53 करोड़ रुपए बढ़कर 11,88,815.45 करोड़ रुपए हो गई। वहीं इंफोसिस ने 55,893.05 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की और उसका बाजार पूंजीकरण 4,71,409.41 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। देश की सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण भी 53,047.56 करोड़ रुपए बढ़कर 16,37,437.19 करोड़ रुपए हो गया और उसने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा।
निजी क्षेत्र के बैंकों में भी अच्छी तेजी देखने को मिली। एचडीएफसी बैंक की मार्केट वैल्यू 32,379.05 करोड़ रुपए बढ़कर 11,22,628.07 करोड़ रुपए हो गई। जबकि आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 30,769.95 करोड़ रुपए बढ़कर 10,02,871.44 करोड़ रुपए हो गया। अन्य बढ़त दर्ज करने वाली कंपनियों में बजाज फार्मेशन शामिल रही, जिसकी वैल्यू 14,786.65 करोड़ रुपए बढ़कर 6,11,326.72 करोड़ रुपए हो गई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में 4,933.5 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई और यह 5,02,204.82 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की मार्केट वैल्यू 3,323.07 करोड़ रुपए बढ़कर 8,87,722.84 करोड़ रुपए हो गई।



दशहरा पर ऐसे बनाएं स्वादिष्ट हेलदी पेड़ा, स्वाद चखकर हर कोई पूछेगा कहां से मंगवाया



दशहरा पर इस बार बाजार की मिठाई के बजाय घर पर बनाएं स्वादिष्ट गुड़ वाले पेड़े. मावा, गुड़ और इलायची से बनने वाली यह मिठाई स्वाद में लाजवाब है और इसे बनाना भी बेहद आसान है. दशहरा के त्योहार पर घर में मिठाई बनाना हो या मेहमानों का मुंह मीठा कराना हो, पेड़ा एक

बढ़िया विकल्प है. दूध से बनने वाली इस मिठाई का स्वाद बच्चों से लेकर बड़ों तक को पसंद आता है. लेकिन बाजार से मिठाई खरीदने के बजाय आप इसे घर पर भी आसानी से बना सकते हैं. अगर आप इस बार दशहरा पर कुछ मीठा और थोड़ा हेलदी बनाना चाहते हैं, तो घर पर मावा और गुड़ की मदद

हेल्दी पेड़ा बनाने के लिए सामग्री

- मावा - 250 ग्राम
- गुड़ का पाउडर - 3 से 4 बड़े चम्मच
- इलायची पाउडर - आधा छोटा चम्मच
- घी - 1 छोटा चम्मच
- कटे हुए बादाम और पिस्ता - 2 बड़े चम्मच
- केसर - कुछ धागे (वैकल्पिक)

घर पर कैसे बनाएं हेलदी पेड़ा ? पहला स्टेप: सबसे पहले एक भारी तले वाली कड़ाही लें और उसमें थोड़ा घी डालकर गर्म करें. अब इसमें मावा डालें और धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए भूनें. मावे को तब तक पकाएँ, जब तक वह हल्का नरम और खुशबूदार न हो जाए. ध्यान रखें कि आंच तेज न हो, वरना मावा नीचे से जल सकता है. दूसरा स्टेप: मावा अच्छी तरह पक जाए, तो गैस बंद कर दें. इसे कुछ देर ठंडा होने दें. ध्यान रखें कि गुड़ को बहुत गर्म मावे में न मिलाएं, क्योंकि ज्यादा गर्मी में गुड़ का मिश्रण ज़रूरत से ज्यादा पक्का हो सकता है. आइए जानते हैं घर पर स्वादिष्ट पेड़ा बनाने का आसान तरीका. तीसरा स्टेप: अब मावे में गुड़ का पाउडर और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं. अगर आप केसर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उसे भी मिला सकते हैं. मिश्रण को चखकर मिठास अपनी पसंद के अनुसार रख सकते हैं. चौथा स्टेप: मिश्रण थोड़ा ठंडा हो जाए और हाथ से संभालने लायक बन जाए, तो इसकी छोटी-छोटी लोइयां बना लें. इन्हें हथेलियों से दबाकर पेड़े का आकार दें. बीच में अंगुठे से हल्का निशान बना सकते हैं. पांचवां स्टेप: आखिर में पेड़ों के ऊपर कटे हुए बादाम और पिस्ता लगाएं. इन्हें कुछ देर सेट होने दें. आपके घर के बने स्वादिष्ट गुड़ वाले पेड़े तैयार हैं. इन्हें एयरटाइट डिब्बे में रखें और बेहतर स्वाद व सुरक्षा के लिए फ्रिज में स्टोर करें. पेड़े को थोड़ा हेलदी बनाने के लिए इन बातों का रखें ध्यान गुड़ का इस्तेमाल करने से पेड़े में सफेद चीनी की जगह अलग तरह की मिठास आती है, लेकिन गुड़ भी मीठा करने वाला पदार्थ है और इसमें कैलोरी होती है. इसलिए इसे सीमित मात्रा में खाना बेहतर है. इसी तरह बादाम और पिस्ता स्वाद के साथ कुछ पोषक तत्व भी देते हैं, लेकिन इनकी मात्रा भी संतुलित रखें।

अमरूद के पेड़ पर लादने हैं बड़े-मीठे फल ? अक्टूबर की ठंड में तुरंत करें ये 4 काम, भर जाएगी टोकरी



अक्टूबर की गुलाबी ठंड में अमरूद के पौधों की विशेष देखभाल ज़रूरी है. इस दौरान पौधों को कम पानी दें, 6 से 8 घंटे धूप दिलाएं, सड़ी गोबर खाद या वर्मी कम्पोस्ट का इस्तेमाल करें और कीड़ों से बचाने के लिए नीम के तेल का छिड़काव करें. इससे बंपर पैदावार मिलेगी. जिले के ज्यादातर क्षेत्रों में अमरूद की बागवानी व्यवसायिक स्तर पर की जाती है. खासकर योगपट्टी, मझौलिया, बैरिया और नौतन जैसे प्रखंडों के किसान अमरूद को अपनी मुख्य फसल के रूप में लगाते हैं. फिलहाल अक्टूबर मध्य चल रहा है. जिसके साथ गुलाबी ठंड ने भी दस्तक दे दी है. हर दिन के साथ तापमान में आ रही गिरावट अमरूद की बागवानी को किस तरह प्रभावित कर सकती है. इससे पौधों को बचाने के क्या-क्या उपाय हो सकते हैं? जैसे विषयों पर आज हम आपको इस लेख में विस्तृत जानकारी दे रहे हैं. अमरूद की व्यवसायिक खेती कर रहे जिले के नौतन प्रखंड निवासी और कृषक दिग्विजय बताते हैं कि, उन्होंने करीब 3 एकड़ में अमरूद की बागवानी की है. अक्टूबर में गुलाबी ठंड के आगमन के साथ उन्हें बाग में लगे अमरूद के पौधों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पड़ती है. **बहुत ज्यादा पानी नहीं देना**

चाहिए अक्टूबर में तापमान में गिरावट के साथ पानी की आवश्यकता भी कम होने लगती है. इसलिए इस समय पौधों को बहुत ज्यादा पानी नहीं देना चाहिए. यदि पौधे में फूल आने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. तो अत्यधिक पानी देने से फूल झड़ सकते हैं. हां, मिट्टी में हल्की नमी बनाए रखनी है, ताकि पौधे का विकास सुचारू रूप से होता रहे. अमरूद के पौधे को प्रकाश की सबसे ज्यादा जरूरत होती है. इसलिए यह सुनिश्चित करें कि पौधे को दिनभर में कम से कम 6 से 8 घंटे की भरपूर धूप मिल रही है या नहीं. **खाद का करें ऐसे इस्तेमाल** पौधे के चारों ओर की मिट्टी को हल्की गुड़ाई करके उसमें 10 से 15 किलोग्राम पुरानी सड़ी हुई गोबर की खाद या वर्मी कम्पोस्ट मिलाएं. अच्छी क्वालिटी और अधिक पैदावार के लिए पोटाश और फॉस्फोरस युक्त उर्वरक या नीम की खली और बोनमील का इस्तेमाल करना फायदेमंद होता है. पत्तियों पर यदि कीड़े या फंगल के लक्षण दिखें, तो महीने में कम से कम एक बार नीम के तेल का घोल बनाकर स्प्रे करें.ज़रूरत पड़ने पर फफूंद नाशक का हल्का छिड़काव करके पौधों को सुरक्षित रखा जा सकता है।

70 की उम्र में भी आंखें हैं एकदम तेज, रामपुर की दादी ने बताया ऐसा घरेलू नुस्खा, कभी नहीं लगेगा चश्मा



रामपुर की रहने वाली 70 साल की मोना चावला आंखों की देखभाल के लिए एक घरेलू मिश्रण खूब इस्तेमाल करती हैं. वह लंबे समय से इस नुस्खे को अपनाती आ रही हैं और उन्हें आज तक चश्मे की जरूरत नहीं पड़ी. मोना चावला लोकल 18 से बताती हैं कि इसके लिए बाजार से कोई महंगी चीज खरीदने की जरूरत नहीं है. सौंफ, बादाम, धागे वाली मिश्री और हरी इलायची से यह मिश्रण तैयार किया जा सकता है. इसे बनाने के लिए किसी खास मशीन या महंगी सामग्री की जरूरत नहीं होती. सुबह और शाम दोनों समय इसका सेवन किया जा सकता है. आजकल छोटे बच्चों से लेकर बड़ों तक में आंखों की कमजोरी की समस्या देखने को मिल रही है. मोबाइल, टीवी और लैपटॉप पर ज्यादा समय बिताना, खान-पान पर ध्यान न देना और बदलती लाइफस्टाइल भी आंखों की सेहत को प्रभावित कर सकती है. ऐसे में लोग आंखों की देखभाल के लिए तरह तरह के उपाय तलाशते हैं. दादी नानी के घरेलू नुस्खे भी इसी वजह से लोगों के बीच पसंद किए जाते हैं. ऐसा ही एक पारंपरिक नुस्खा है, जिसे घर में मौजूद कुछ साधारण चीजों से तैयार किया जा सकता है. 70 साल की दादी मोना चावला अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में आंखों की देखभाल के लिए एक घरेलू मिश्रण खूब इस्तेमाल करती हैं. लोकल 18 से उनका कहना है कि वह लंबे समय से इस नुस्खे को अपनाती आ रही हैं और उन्हें आज तक चश्मे की जरूरत नहीं पड़ी. वह अपनी अच्छी नजर का श्रेय इस घरेलू मिश्रण को देती हैं. उनके मुताबिक इसके लिए बाजार से कोई महंगी चीज खरीदने की जरूरत नहीं है।

तांबे-पीतल के बर्तन पड़ गए हैं काले? लेमन साल्ट और सिरके से बनाएं ये घरेलू घोल, लौट सकती है पुरानी चमक



किचन और पूजा घर में रखे तांबे और पीतल के बर्तन समय के साथ काले और मटमैले पड़ने लगते हैं. हवा और नमी के संपर्क में आने से इन बर्तनों की सतह पर ऑक्सिडेशन की परत जम सकती है, जिसे सामान्य पानी से साफ करना मुश्किल होता है. ऐसे में लेमन साल्ट यानी साइट्रिक एसिड, नमक, सफेद सिरका और लिक्विड डिटर्जेंट से तैयार घरेलू घोल सफाई में मदद कर सकता है. इस मिश्रण को बर्तन पर लगाकर थोड़ी देर छोड़ने और मुलायम स्पंज से हल्के हाथों से साफ करने पर जमा मैल

किचन और पूजा घर में रखे तांबे और पीतल के बर्तन जब चमकने के बजाय काले और मटमैले दिखने लें तो उनकी सफाई सबसे ज्यादा झंझट वाला काम लगती है. खासकर लोटे, गिलास और पूजा के बर्तनों पर जमी परत को हटाने के लिए कई ऐसे में घर में मौजूद कुछ आम चीजों से तैयार किया गया घोल काम आ सकता है. इसमें लेमन साल्ट, नमक, सफेद सिरका और बर्तन धोने वाला डिटर्जेंट इस्तेमाल

पराटे नहीं.. मिथिलांचल स्टाइल में बनाए मूली की कचरी, झटपट में हो जाएगा तैयार



मिथिलांचल में मूली की कचरी एक लोकप्रिय पारंपरिक डिश है, जिसे लोग दाल-चावल और अन्य देसी व्यंजनों के साथ बड़े चाव से खाते हैं. खासकर त्योहारों और मेहमानों के आने पर बिना प्याज-लहसुन वाले भोजन में कुरकुरी कचरी स्वाद बढ़ा देती है. मिथिलांचल में तरुआ और पकौड़े खाने के शौकीन लोगों के लिए सर्दियों का मौसम खास होता है. इस मौसम में बाजार में ताजी मूली खूब मिलती है. आमतौर पर लोग मूली के पराटे खाना पसंद करते हैं, लेकिन मिथिला में इससे स्वादिष्ट मूली की कचरी भी तैयार की जाती है. इसे कम समय में घर पर आसानी से बनाया जा सकता है. घर पर मेहमान आने वाले हैं या त्योहार का समय हो, तो कई लोग बिना प्याज-लहसुन का शुद्ध शाकाहारी भोजन बनाना पसंद करते हैं. ऐसे में मिथिलांचल की पारंपरिक डिश कचरी और तरुआ खाने का स्वाद बढ़ा देते हैं. यहां लोग सुबह, शाम या रात के खाने में दाल-चावल और दूसरी देसी डिश के साथ कचरी के दो टुकड़े खाना भी पसंद करते हैं. कैसे करें तैयार मिथिलांचल में मूली से बनने वाली कचरी भी काफी पसंद की जाती है. सर्दियों में ताजी मूली से तैयार यह कुरकुरी डिश खाने में स्वादिष्ट होती है और इसे घर पर आसानी से बनाया जा सकता है. अगर आप भी इस बार कुछ अलग और पारंपरिक बनाना चाहते हैं, तो कीर्ति से जानिए मूली की कचरी बनाने की पूरी विधि. मूली का कचरी (पकौड़े) बनाने के लिए ताजी मूली, बेसन या फिर आपको अगर कुरकुरा सा खाना है तो उसमें थोड़ा सा चावल का आटा भी मिला सकते है. फिर नमक, हल्दी, मिर्च, धनिया और हरा मिर्च उसमें काटकर मिला देंगे और फिर मूली के पकौड़ों को तेल में तल लेते हैं।

किसी को नाखूनों से खोदा, तो कोई बना आंसुओं से! माउंट आबू के इन 6 जल स्रोतों की कहानियां कर देंगी हैरान

माउंट आबू की खूबसूरती सिर्फ नक्की झील तक सीमित नहीं है, यहां सावन-भादो कुंड, मंदाकिनी कुंड, गौमुख कुंड और ट्रैवर्स टैंक जैसे कई अद्भुत स्थल हैं, जिन्से प्रेम, पौराणिक मान्यताओं और इतिहास की दिलचस्प कहानियां जुड़ी हैं. जानिए माउंट आबू के इन 6 खूबसूरत पर्यटन स्थलों की खासियत. शहर में चारों ओर पहाड़ियों और चट्टानों से घिरी नक्की झील झील पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी रहती है. यहां बोटिंग, झील के किनारे सैर और आसपास के बाजार में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं. राजस्थान पर्यटन के अनुसार, नक्की लेक को पहली मानव निर्मित झील के रूप में भी उल्लेख मिलता है. इस झील से जुड़ी एक लोककथा के अनुसार रसिया बालम ने अपने प्रेम कुंवारी कन्या से विवाह के लिए इस झील को एक रात में अपने नाखून से खोदकर बनाया था, लेकिन इसके बाद भी उनका प्रेम अधूरा रह



गया. आबूराज शहर से करीब 7 किलोमीटर दूर अचलगढ़ की पहाड़ी पर बना सावन भादो कुंड क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर है. पहाड़ी के ऊपरी भाग पर बने इस कुंड को लेकर मान्यता है कि ये कुंड यहां तपस्या कर रही मीरा बाई के आंसुओं से बना था. साल में दो मास श्रावण और भाद्रपद पर इस कुंड का नाम रखा गया है. ये कुंड बीच से दो भागों में बटा हुआ है. एक भाग को सावन और दूसरे भाग को भादो कुंड माना जाता है. इस कुंड के आपस ही एक कुटिया बनी हुई है. जिसे मीराबाई की झोपड़ी के रूप में

जाना जाता है. वर्तमान में यहां मीराबाई का मंदिर है. अचलगढ में ही बना प्राचीन मंदाकिनी कुंड एक स्थानीय लोककथा से जुड़ा है. इस कुंड के किनारे तीन भाषाओं की मूर्तियां है. स्थानीय रहवासी को अनुसार यहां प्राचीन काल में ऋषि मुनि यज्ञ के लिए पानी लेकर जाते थे. तभी तीन राक्षस ऋषियों को परेशान कर यज्ञ में विघ्न डालते थे. जब यहां के राजा को इस बात का पता लगा, तो ऋषियों और यज्ञ की सुरक्षा के लिए एक दिन यहां पहुंचे और तीनों राक्षस को तौर के वार से पत्थर की मूर्तियों में बदल दिया. सरकार की ओर से इस तालाब के विकास का कार्य करवाया जा रहा है.

माउंट आबू के देलवाड़ा क्षेत्र में संत सरोवर एक प्राकृतिक वातावरण और धार्मिक आस्था का संगम है. सरोवर के पास सोमनाथ महादेव मंदिर है, जो यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए इस तालाब धार्मिक महत्व भी

है. तालब के बीच में भगवान शिवी की प्रतिमा और आसपास हरियाली और पहाड़ों के नजारे इस झील के शांत और आध्यात्मिक माहौल को बताते है. यह स्थान कई संतों की तप भूमि भी है. इसके ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को देखते हुए गत बजट घोषणा में इस तालाब के विकास और

सौंदर्यीकरण को लेकर सरकार ने बजट घोषणा की थी. गौमुख कुंड आबूराज के प्रमुख धार्मिक स्थलों में गिना जाता है. यहां मार्बलके गाय के मुख के आकार की संरचना से निकलने वाली जलधारा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र है. यह स्थल ऋषि वंशधर के आश्रम और है ।

उससे जुड़ी पौराणिक परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है. मान्यता के अनुसार ऋषि वंशधर ने यहां यज्ञ किया था, जिससे राजपूत अग्निवंश की उत्पत्ति हुई थी. इस कथा के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व की वजह से यहां कई पर्यटक इस कुंड को देखने आते



शादी के बाद अमेरिका में हाउसवाइफ बन गई थीं माधुरी दीक्षित, पति के लिए सुबह साढ़े पांच बजे उठकर बनाती थीं नाश्ता

विश्व केसरी ■

मुंबई। बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने अपनी एक्टिंग और डांस से लाखों लोगों का दिल जीता। हालांकि, शादी के बाद एक्ट्रेस ने अपनी जिंदगी में बड़ा बदलाव किया और पति डॉ. श्रीराम नेने के साथ अमेरिका शिफ्ट हो गईं। उस दौरान माधुरी ने घर संभालने से लेकर पति के लिए सुबह जल्दी उठकर नाश्ता बनाने तक की जिम्मेदारी निभाई। एक्ट्रेस ने दिग्गज अभिनेत्री सिमी ग्रेवाल के चैट शो में अपनी मैरिड लाइफ से जुड़ी कई बातें शेयर की थीं। सिमी ग्रेवाल के साथ बातचीत में माधुरी ने बताया कि वह पति श्रीराम नेने के लिए सुबह साढ़े पांच बजे उठकर नाश्ता बनाती थीं। उस समय उनके पति कार्डियोवैस्कुलर सर्जरी करते थे और उन्हें अपने तय ऑपरेशन के लिए जल्दी अस्पताल निकलना पड़ता था। ऐसे में वह सुबह उठकर उनके लिए नाश्ता तैयार करती थीं और फिर कुछ देर आराम करने के लिए वापस सो जाती थीं। अमेरिका में अपनी जिंदगी के बारे में बात करते हुए माधुरी ने कहा था, ‘ ‘मेरे पति सर्जरी करते थे, तब मैं उनके लिए नाश्ता बनाती थी। मैं सुबह साढ़े पांच बजे उठती थी और उनके लिए नाश्ता तैयार करती थी। इसके बाद वह काम पर चले जाते थे और मैं कुछ देर के लिए वापस सो जाती थी। मैंने उस जिंदगी के हर पल को एंजॉय किया। ’ ’

माधुरी की बात करें तो उन्होंने 17 अक्टूबर 1999 को दक्षिणी कैलिफोर्निया में डॉ. श्रीराम नेने के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों से शादी की थी। शादी के बाद एक्ट्रेस पति के साथ अमेरिका में रहने लगीं। इस कपल ने साल 2003 में अपने पहले बेटे एरिन का स्वागत किया। इसके दो साल बाद 2005 में उनके घर दूसरे बेटे रायन का जन्म हुआ।

शादी के बाद माधुरी ने कुछ समय तक फिल्मों से

दूरी बनाए रखी। हालांकि, साल 2007 में उन्होंने म्यूजिकल एंटरटेनर फिल्म ‘आजा नचले’ से बॉलीवुड में वापसी की। इसके बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों और टीवी की दुनिया में फिर से अपनी पहचान बनाई। हाल ही में वह ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म ‘मां बहन’ में नजर आईं। सिमी ग्रेवाल के शो में माधुरी ने बताया कि आखिर डॉ. श्रीराम नेने की कौन-सी बात उन्हें पसंद आई थी। दिलचस्प बात यह है कि जब दोनों पहली बार मिले थे, तब श्रीराम नेने को माधुरी की स्टारडम के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। उन्होंने माधुरी की कोई फिल्म तक नहीं देखी थी। माधुरी ने बताया था, ‘ ‘जब आप किसी पार्टनर से मिलते हैं, तो आपको कुछ समानताएं जरूर मिलती हैं। उन्हें मेरे बारे में जो बात पसंद आई, वह यह थी कि मैं किसी की मदद के लिए अपनी तरफ से हर संभव कोशिश करती हूं। ’ ’



हजारों हिट गाने देने के बाद भी कम नहीं हुआ हिमेश रेशमिया का जुनून, बोले-’आज भी नए कलाकार जैसा हूं’

विश्व केसरी ■

मुंबई। म्यूजिक कंपोजर और सिंगर हिमेश रेशमिया इन दिनों सिंगिंग रियलिटी शो ‘इंडियन आइडल लीजेंड्स रिटर्न’ में सुपरस्टार जज के तौर पर चर्चा में हैं। उनका मानना है कि किसी कलाकार के लंबे समय तक सफल बने रहने के लिए सिर्फ अच्छी आवाज होना काफी नहीं है बल्कि उसे समय के साथ खुद को बदलना और अपनी कला को बेहतर बनाना भी आना चाहिए। हिमेश रेशमिया ने कहा, ‘जज होने का मतलब सिर्फ अच्छी आवाज पहचानना नहीं है बल्कि किसी की क्षमता, उसकी अलग पहचान और स्टेज पर आकर अपनी आवाज लोगों तक पहुंचाने के हौसले को पहचानना भी है। मैंने खुद इस सफर को जिया है, इसलिए जानता हूं कि इसमें कामयाबी के साथ चुनौतियां भी आती हैं। खुद को नए तरीके से पेश करना और लगातार आगे बढ़ते रहना जरूरी है।’

सिंगर ने कहा, ‘जब मैं किसी कंटेस्टेंट को सुनता हूं, तो सिर्फ उसकी



गायकी की तकनीक पर ध्यान नहीं देते। मैं यह भी देखता हूं कि उस कलाकार की अपनी पहचान क्या है, उसमें आगे बढ़ने की कितनी चाह है और क्या उसके अंदर ऐसा कुछ खास है, जो उसे दूसरों से

अलग बनाता है। एक कलाकार को सिर्फ अपनी पुरानी कामयाबी के भरोसे नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे लगातार खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करनी चाहिए। ’

‘डायबिटीज मेरी जिंदगी का हिस्सा है, पूरी पहचान नहीं’, ऐश्वर्या सखुजा ने बयां किया 10 साल का अनुभव

विश्व केसरी ■

मुंबई। ‘सास बिना ससुराल’, ‘मैं ना भूलूंगी’, ‘त्रिदेवियां’ और ‘रिश्ता डॉट कॉम’ जैसे शो में नजर आ चुकीं टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या सखुजा पिछले 10 साल से टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रही हैं। इस बीमारी को लेकर उन्होंने बताया कि उन्हें शुरुआत में गलत बीमारी बताई गई थी। बाद में पता चला कि वह टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रही हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि पिछले 10 साल उनके लिए इंसुलिन लेने, अपनी बाँड़ी को समझने और लाइफस्टाइल में बदलाव करने का सफर रहा है। डायबिटीज को मैनेज करना कई बार थका देने वाला रहता है। ऐश्वर्या ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ‘‘10 साल पहले मेरी बीमारी का गलत पता लगाया गया था। जब तक मुझे समझ आया कि मेरी बाँड़ी के साथ क्या हो रहा है, तब तक मुझे अंदाजा भी नहीं था कि मेरी जिंदगी इस



तरह बदलने वाली है और मुझे हर दिन इसके साथ तालमेल बिठाना पड़ेगा। आज टाइप-1 डायबिटीज के साथ जीते हुए मुझे 10 साल पूरे हो गए हैं। ’ उन्होंने आगे लिखा, ‘‘10 साल से इंसुलिन ले रही

हूं। 10 साल से अपनी बाँड़ी को समझ रही हूं। इस दौरान कई उतार-चढ़ाव आए, बहुत कुछ सीखा, कई बार निराशा हुई और धीरे-धीरे चीजों को समझना पड़ा। इन 10 सालों में मैंने अपना ख्याल रखने की कोशिश की है। उन दिनों में भी जब खुद की देखभाल करना किसी फुल-टाइम जॉब जैसा लगता है। ’ एक्ट्रेस ने लिखा, ‘‘मैंने एक्सरसाइज की है और अपने खाने को लेकर भी ध्यान रखा है। मैंने सीखा है कि अपना ख्याल रखने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है। इसका मतलब है बार-बार कोशिश करते रहना। इस सफर में मुझे अपनी बाँड़ी के प्रति थोड़ा और नरम होना भी सीखना पड़ा है। उस बाँड़ी के प्रति, जिसे इंसुलिन की जरूरत होती है। ’ उन्होंने लिखा, ‘‘मैं डायबिटीज को खूबसूरत बनाकर पेश नहीं करूंगी। यह थका देने वाली, कई बार नाइंसाफी जैसी लगने वाली और बहुत मेहनत मांगने वाली बीमारी हो सकती है।

बॉलीवुड डेब्यू को लेकर नर्वस हैं ईशा मालवीय, बोलीं-’आउटसाइडर को मौका मिलना मेरे लिए बड़ी बात’



विश्व केसरी ■

मुंबई। छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब एक्ट्रेस ईशा मालवीय बड़े पर्दे पर अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। फिल्म ‘तुम मेरे हो’ से बॉलीवुड में डेब्यू करने को लेकर ईशा काफी एक्साइटेड हैं। हालांकि, पहली फिल्म को लेकर उनके मन में घबराहट भी है लेकिन वह इस मौके को लेकर ज्यादा खुश हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बड़े पर्दे पर काम करने का मौका मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। ईशा मालवीय ने आईएनएस से बातचीत में अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ‘‘पहली फिल्म होने की वजह से मैं नर्वस हूं और मुझे डर भी लग रहा है लेकिन मेरी खुशी नर्वस होने से कहीं ज्यादा है। एक

आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना मेरे लिए बड़ी बात है। मैं इस मौके को लेकर काफी एक्साइटेड हूं और अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का इंतजार कर रही हूं। ’ ईशा मालवीय ने कहा, ‘‘मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं। मुझे लगता है कि अब तक मैंने जो मेहनत की है, जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया है और मुझे यहां तक पहुंचाने के लिए मेरे माता-पिता ने जो परेशानियां झेली हैं, उन सबका नतीजा अब सामने आ रहा है। मैं फिल्म ‘तुम मेरे हो’ से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हूं। इसके लिए मैं बहुत खुश हूं। ’ ईशा ने कहा, ‘‘मेरे लिए अभी भी इस बात पर यकीन करना आसान नहीं है कि मैं सच में बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन गई हूं। मुझे कई बार ऐसा लगता है, जैसे मैं कोई सपना देख रही हूं। हालांकि, जब मैं फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ

देखती हूं, तो मुझे इस बात का एहसास होता है कि मेरा सपना अब हकीकत बन रहा है। यह मेरे लिए अनुभव काफी खास है और मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूं। ’ अपनी फिल्म ‘तुम मेरे हो’ को लेकर ईशा ने कहा, ‘‘मुझे उम्मीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सिंपल लव स्टोरी देखना चाहते हैं। हम दर्शक के तौर पर अक्सर शिकायत करते हैं कि अच्छी फिल्में नहीं आ रही हैं। फिल्मों में बहुत हिंसा और खून-खराबा है। रोमांस कहाँ है? एक सिंपल लव स्टोरी कहाँ है? इसलिए हम आपके लिए ‘तुम मेरे हो’ लेकर आए हैं। ’ फिल्म ‘तुम मेरे हो’ में ईशा मालवीय के साथ एक्टर गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे। आशीष पांडा के डायरेक्शन में बनी यह म्यूजिकल फिल्म 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

व्लादिवोस्तोक में भारत-रूस का सैन्य अभ्यास, द्विपक्षीय संबंधों में आई मजबूती

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। रूस के व्लादिवोस्तोक में हुए सैन्य अभ्यास 'इंद्र-2026' ने भारत और रूस की दोस्ती को और मजबूत किया है। रविवार को अभ्यास के अंतिम दिन तक भारत और रूस की नौसेनाओं ने अपने कई महत्वपूर्ण मिशन पूरे किए। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सह्याद्रि के नौसैनिकों और रूसी नौसेना के कर्मियों ने इस अभ्यास में भाग लिया।

इस आयोजन ने दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच सहयोग और मित्रता के साझा संकल्प को फिर से मजबूत किया है। 18 अक्टूबर को इस द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास इंद्र-2026 का अंतिम दिन रहा। भारतीय नौसेना का जहाज सह्याद्रि 10 अक्टूबर को इस अभ्यास में शामिल होने के लिए रूस के व्लादिवोस्तोक पहुंचा था।

भारतीय नौसेना और रूसी संघ की नौसेना (आरयूपएफएन) के बीच 13



अक्टूबर से अभ्यास शुरू हुआ था। इस दौरान दोनों देशों की नौसेनाओं को पेशेवर एवं परिचालन स्तर पर विचार-विमर्श करने का अवसर मिला। जिससे समुद्री सहयोग और पारस्परिक रूप से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने की क्षमता को बढ़ावा मिला है। यहां भारत और रूस की नौसेनाओं

अभ्यास का बंदरगाह चरण पूरा किया गया। बंदरगाह चरण में दोनों देशों के नौसैनिकों ने एक-दूसरे के युद्धपोतों का दौरा किया। इस दौरान उन्हें एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को करीब से समझने और पेशेवर अनुभव साझा करने का अवसर मिला। ऐसी गतिविधियां दोनों नौसेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और आपसी समझ विकसित करने में अहम भूमिका निभाती हैं।

इस चरण में व्लादिवोस्तोक के उपमहापौर के साथ एक शिष्टाचार बैठक भी आयोजित की गई। इस मुलाकात ने दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच संवाद और आपसी संपर्क को बढ़ावा दिया। 'इंद्र-2026' भारत और रूस के बीच समुद्री सहयोग को आगे बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण संयुक्त अभ्यास रहा। इसका उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच समन्वय, आपसी समझ और समुद्री अभियानों में तालमेल को बेहतर बनाना था।

दक्षिण कोरिया की प्रधानमंत्री ने प्योंगयांग के साथ बातचीत फिर से शुरू करने पर दिया जोर

विश्व केसरी ■
सोल। दक्षिण कोरिया की प्रधानमंत्री हान सियोंग-सूक ने रविवार को कहा कि सरकार सोल और प्योंगयांग के बीच बातचीत फिर से शुरू करने का प्रयास करेगी और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की दिशा में काम करेगी।

सोल में विस्थापित उत्तर कोरियाई नागरिकों के लिए आयोजित एक प्रतियोगिता में शामिल होते हुए, हान ने कहा, 'दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच बातचीत के रास्ते खोलने और शांति तथा साझा समृद्धि पर चर्चा करने के प्रयास किए जाएंगे। योन्हाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने दोनों देशों के विभाजन को एक 'हकीकत' बताया और इस बात पर जोर दिया कि विस्थापित नागरिकों और अलग हुए परिवारों का दर्द आज भी 'जाती' है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का रास्ता खोलने के हमारे प्रयास रुक नहीं सकते।' उन्होंने प्रतिभागियों से शांति स्थापित करने में सहयोग मांगा और दक्षिण कोरिया के आर्थिक विकास तथा लोकतंत्रीकरण में उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

8 अक्टूबर को, दक्षिण कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र में उत्तर कोरिया से 'जिम्मेदार कदम' उठाने का आग्रह किया। दक्षिण कोरिया ने प्योंगयांग पर 'युद्धविराम समझौते' के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने जानबूझकर एक बारूदी सुरंग बिछाई थी, जिसकी चपेट में आने से पिछले महीने दोनों कोरियाई देशों की सीमा के पास तीन दक्षिण कोरियाई सैनिक घायल हो गए थे।

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र की एक समिति बैठक के दौरान, संयुक्त राष्ट्र में दक्षिण कोरिया के राजदूत चा जी-हून ने बताया कि दक्षिण कोरियाई सेना और संयुक्त राष्ट्र कमान (यूएनसी) की संयुक्त जांच से पुष्टि हुई है कि 21 सितंबर को हुआ विस्फोट एक बारूदी सुरंग के कारण हुआ था।



संक्षिप्त खबर

सऊदी अरब में हेलीकॉप्टर क्रैश, दो की मौत

विश्व केसरी ■
रियाद। यमन के हूती विद्रोहियों से लड़ रहे सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन का कहना है कि उसका एक टोही हेलीकॉप्टर सऊदी अरब के इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें चालक दल के दो सदस्यों की मौत हो गई है। गठबंधन की ओर से एक बयान जारी कर दी थी। रविवार तड़के हूती की ओर से एक और एयरक्राफ्ट को मार बताया कि एएच-6आई टोही हेलीकॉप्टर दक्षिण-पश्चिमी नजरान क्षेत्र में एक 'तकनीकी खराबी' के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया। गठबंधन ने आगे कहा कि 'इस घटना में चालक दल के दो अधिकारियों की जान चली गई।' वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि उन्होंने नजरान में सऊदी अरब के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया है। शनिवार को हूती आर्मड फोर्स के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर इसकी जानकारी दी थी। रविवार तड़के हूती की ओर से एक और एयरक्राफ्ट को मार गिराने का दावा किया गया है। सारिया ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि हमारे सशस्त्र बलों ने सऊदी दुश्मन के एक सशस्त्र 'करार' टोही विमान को मार गिराया। यह विमान होदेइदाह गवर्नरेट के हवाई क्षेत्र से गुजर रहा था।



तमिलनाडु में 137 किलो क्रिस्टल मेथ जब्त, चार गिरफ्तार

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने तमिलनाडु के नागपट्टिनम जिले के एक तटीय गांव से 137 किलोग्राम क्रिस्टल मेथामफेटामाइन (मेथ) जब्त किया है। अवैध मादक पदार्थों के बाजार में इसकी कीमत 100 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी इस खेप को समुद्र के बीच से दूसरे जहाज या नाव में स्थानांतरित कर श्रीलंका तकरी करने की फिराक में थे। डीआरआई ने 16 और 17 अक्टूबर 2026 को मिली विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर निगरानी और कार्रवाई की। जांच के दौरान नागपट्टिनम जिले के तटीय इलाके में मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप छिपाकर रखे जाने का पता चला। इसके बाद अधिकारियों ने संबंधित स्थान पर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान छह डफेल बैग बरामद किए गए, जिनमें चांदी की पन्नी में लिपटे 27 पैकेट रखे हुए थे। प्रत्येक पैकेट का वजन लगभग पांच किलोग्राम था। इनमें सफेद क्रिस्टल जैसा पदार्थ मिला, जिसे उच्च शुद्धता वाला मेथामफेटामाइन होने का संदेह है। कुल जब्त खेप का सकल वजन 137 किलोग्राम बताया गया है। डीआरआई ने मादक पदार्थों की स्वापक औषधि और मन:प्राभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस), 1985 के प्रावधानों के तहत जब्त किया। कार्रवाई के दौरान संदिग्ध नेटवर्क के कथित संचालक के ठिकाने पर भी तलाशी ली गई। वहां से 10 लाख रुपये नकद बरामद किए गए, जिनके मादक पदार्थों की बिक्री से प्राप्त रकम होने का संदेह है।



विदेशी नागरिक का भारत के आंतरिक मामलों में दखल देना स्वीकार्य नहीं: चिराग पासवान

विश्व केसरी ■
पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा पंडाल हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। उन्होंने अभिनेता इमरान खान के निर्वासन नोटिस और बिहार के राजनीतिक घटनाक्रम पर भी प्रतिक्रिया दी।

अभिनेता इमरान खान द्वारा भारत छोड़ने के निर्देश वाले नोटिस को चुनौती देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, 'भारतीय नागरिकों को देश के भीतर रहते हुए भारत से जुड़े मामलों में अपनी भूमिका निभाने पर कोई आपत्ति नहीं है। मैंने हमेशा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों का समर्थन किया है।



हालांकि, जो व्यक्ति भारतीय नागरिक नहीं है, उसका भारत के आंतरिक मामलों में दखल देना गलत है। जो भारतीय नागरिक नहीं हैं, उनका देश में हो रहे प्रदर्शन में शामिल होना, खासकर जब ऐसी चिंताएं बढ़ रही हों कि इन घटनाओं के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ हो सकता है, बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। कोलकाता के दुर्गा पूजा पंडाल में

महंगाई और आवास संकट को लेकर पुर्तगाल में जनाक्रोश, लिस्बन से पोर्टो तक सड़कों पर उतरे हजारों लोग

विश्व केसरी ■
लिस्बन। इटली और फ्रांस की तरह पुर्तगाल में भी शनिवार को बड़ी संख्या में लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। आवास संकट, बढ़ते किराये और महंगाई को लेकर शुरू हुआ यह विरोध यूरोप के कई देशों में देखने को मिल रहा है। पुर्तगाल के लिस्बन समेत पोर्टो, कोयम्ब्रा और अन्य शहरों में हजारों लोगों ने प्रदर्शन में भाग लिया।



लोगों का कहना है कि घरों की कीमतें और किराया आम लोगों की पहुंच से बाहर होते जा रहे हैं, इसलिए सरकार को सस्ता आवास उपलब्ध कराने और बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

सिन्हुआ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, लिस्बन में हजारों प्रदर्शनकारी शहर के केंद्र में जुटे। उन्होंने वहां तंबू लगाए और ऐसे बैनर लेकर प्रदर्शन किया जिनमें मांग की गई कि 'रिगल एस्टेट में निवेश करने वाले बड़े फंडों' पर सख्त कानून बनाए जाएं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इन फंडों

की वजह से संपत्तियों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और आम लोगों के लिए घर खरीदना मुश्किल होता जा रहा है। कुछ बैनरों में पोर्टो में गुरुवार तड़के हुई पुलिस कार्रवाई का भी जिक्र था। उस कार्रवाई में पुलिस ने आवास अधिकारों के लिए प्रदर्शन कर रहे लोगों को हटाया था। प्रदर्शनकारियों ने 'सिर मत फोड़ो, घर उपलब्ध कराओ' जैसे नारे लिखे हुए बैनर उठाए थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस कार्रवाई में 37 लोग घायल हुए, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई गई। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के

अनुसार, पुर्तगाल के राष्ट्रपति एंटोनियो जोस सेगुरो ने कहा कि किसी लोकतांत्रिक समाज में गरीबी को 'किस्मत या मजबूरी' मानकर स्वीकार नहीं किया जा सकता। राष्ट्रपति की वेबसाइट पर जारी एक संदेश में सेगुरो ने कहा कि पुर्तगाल में अभी भी लगभग 16.6 लाख लोग गरीबी के खतरे में जी रहे हैं। हालांकि, 2015 के बाद यह पहली बार है जब यह संख्या 20 लाख से नीचे आई है। उन्होंने कहा कि जरूरी सेवाओं तक सभी की पहुंच सुनिश्चित करने और कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए और ज्यादा प्रयास किए जाने चाहिए।

5वीं बटालियन मणिपुर राइफल्स को 2026 के लिए 'दूसरी सर्वश्रेष्ठ बटालियन' चुना गया

विश्व केसरी ■
इंफाल। तामेंगलोंग के खोंगजारोन स्थित 5वीं बटालियन मणिपुर राइफल्स को मणिपुर पुलिस विभाग की ओर से 2026 के लिए 'दूसरी सर्वश्रेष्ठ बटालियन' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान मणिपुर राइफल्स और इंडिया रिजर्व बटालियनों के निरीक्षण के दौरान उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दिया गया है।

मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की ओर से 17 अक्टूबर को जारी आदेश के अनुसार, यह पुरस्कार एक स्क्रीनिंग कमेटी की सिफारिश पर घोषित किया गया। इस कमेटी का गठन 'सर्वश्रेष्ठ बटालियन', 'दूसरी सर्वश्रेष्ठ बटालियन' और 'तीसरी सर्वश्रेष्ठ बटालियन' के लिए डीजीपी ट्रॉफी देने के लिए बटालियनों का निरीक्षण करने के लिए किया गया था।

तामेंगलोंग के खोंगजारोन स्थित 5वीं बटालियन मणिपुर राइफल्स



को दूसरा स्थान मिला है। इस पुरस्कार को लोइतांग खुनी स्थित चौथी इंडिया रिजर्व बटालियन के साथ साझा किया गया है, जिसे भी 2026 के लिए 'दूसरी सर्वश्रेष्ठ बटालियन' घोषित किया गया है। इंफाल स्थित दूसरी बटालियन मणिपुर राइफल्स को 2026 की 'सर्वश्रेष्ठ बटालियन' के लिए डीजीपी ट्रॉफी दी गई जबकि 10वीं इंडिया रिजर्व बटालियन को 'तीसरी सर्वश्रेष्ठ बटालियन' चुना गया। आदेश में यह भी बताया गया है कि 19 अक्टूबर को 'मणिपुर पुलिस

स्थापना दिवस' के अवसर पर इन पुरस्कृत बटालियनों को ट्रॉफियां, प्रशंसा प्रमाण-पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। यह सम्मान तामेंगलोंग के खोंगजारोन स्थित 5वीं बटालियन मणिपुर राइफल्स के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जिसे विभागीय निरीक्षण और मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद पुरस्कृत बटालियनों में शामिल किया गया है।

वहीं, मणिपुर पुलिस की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा गया।

यूपी में किसानों के बच्चों पर सरकार का फोकस, छात्रवृत्ति की सीटें दोगुनी

विश्व केसरी ■
लखनऊ। उत्तर प्रदेश में किसानों और खेतिहर मजदूरों के मेधावी बच्चों को उच्च कृषि शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ा दिया गया है। राज्य सरकार ने योजना के तहत छात्रवृत्ति की निर्धारित सीटें दोगुनी करने के साथ ही मासिक सहायता राशि भी तीन हजार से बढ़ाकर पांच हजार रुपये कर दी है। इसके बाद पात्र विद्यार्थियों की अब सालाना 36 हजार रुपये के बजाय 60 हजार रुपये की छात्रवृत्ति मिलेगी।

राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद की इस योजना के तहत अब प्रत्येक कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि संस्थान में 45 के स्थान पर 90 विद्यार्थियों तथा प्रत्येक कृषि महाविद्यालय में 15 के स्थान पर 30 विद्यार्थियों को मेरिट के आधार पर छात्रवृत्ति दी जाएगी। सीटों की



संख्या बढ़ने से आर्थिक रूप से कमजोर किसान परिवारों के अधिक मेधावी विद्यार्थियों को कृषि शिक्षा हासिल करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मंडी परिषद के मुताबिक, प्रदेश के 11 कृषि विश्वविद्यालयों एवं कृषि संस्थानों और 61 कृषि महाविद्यालयों में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। सीटों की संख्या दोगुनी होने के बाद छात्रवृत्ति की कुल निर्धारित संख्या 1,410 से बढ़कर 2,820 हो गई है। योजना के तहत छात्रवृत्ति की मासिक राशि

तीन हजार से बढ़ाकर पांच हजार रुपये कर दी गई है। इस तरह प्रत्येक चयनित विद्यार्थी को अब सालाना 60 हजार रुपये मिलेंगे, जो पहले 36 हजार रुपये थे। यानी विद्यार्थियों को एक वर्ष में 24 हजार रुपये की अतिरिक्त आर्थिक सहायता मिलेगी।

छात्रवृत्ति की बढ़ी हुई राशि से विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़े खर्चों को पूरा करने में सहायता मिलेगी। इसके साथ ही कृषि, उद्यान, वानिकी और पशुपालन जैसे क्षेत्रों में उच्च शिक्षा हासिल करने वाले युवाओं के लिए भी योजना उपयोगी होगी।

ताजिकिस्तान में एससीओ की बैठक, राजनाथ सिंह करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक आयोजित होने जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ताजिकिस्तान में इस बैठक के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह एससीओ की शासनाध्यक्ष परिषद की 25वीं बैठक है। रक्षामंत्री 19 और 20 अक्टूबर को इसमें शामिल होने के लिए दुशान्बे में रहेंगे।

रक्षा मंत्रालय यह भी कहना है कि इस बैठक का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच बहुपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाना और विभिन्न क्षेत्रों में जारी पहलों को मॉस्को में हुई थी।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, व्यापार से लेकर नवाचार तक इस महत्वपूर्ण बैठक में एससीओ सदस्य देशों के बीच व्यापार, सहयोग को आगे बढ़ाने और विभिन्न क्षेत्रों में जारी पहलों को मॉस्को में हुई थी।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, व्यापारिक कदमों को आगे बढ़ाना होगा, जिनसे सभी सदस्य देशों को लाभ मिल सके।

गौरतलब है कि भारत एससीओ के विभिन्न तंत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेता रहा है। संगठन के माध्यम से भारत स्टार्टअप, नवाचार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और लोगों के बीच आपसी संपर्क बढ़ाने जैसी पहलों में योगदान दे रहा है। आगामी बैठक में इन क्षेत्रों में सहयोग को और आगे बढ़ाने के रास्तों पर भी विचार होने की उम्मीद है।

दरअसल यह एक अंतरराष्ट्रीय मंच है और भारत इसका महत्वपूर्ण सदस्य है।

जापान में एशियन पैरा गेम्स 2026 का आगाज, सम्राट नारुहितो ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

विश्व केसरी ■
नागोया। जापान के सम्राट नारुहितो ने रविवार को एशियन पैरा गेम्स के पांचवें संस्करण की आधिकारिक शुरुआत की घोषणा की। इसके साथ ही आइची-नागोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में इस महाद्वीपीय खेल आयोजन का आगाज हो गया। 24 अक्टूबर तक चलने वाले इन खेलों में 45 देशों के करीब 3,000 एथलीट्स हिस्सा ले रहे हैं। इन खेलों का आदर्श वाक्य 'इमेजिन वन हार्ट' (एक दिल की कल्पना करें) है।

हालाँकि, समारोह के जरिए प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत हुई, लेकिन कई इवेंट्स पहले ही शुरू हो चुके थे। शुक्रवार को जापान ने पुरुषों और महिलाओं की व्हीलचेयर बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं के शुरुआती राउंड में जीत दर्ज की। वहीं, शनिवार को भारत की पुरुष और महिला गोलबॉल टीमों ने क्रमशः कतर और थाईलैंड के खिलाफ जीत हासिल की। 'पेरेंड ऑफ नेशंस' (देशों की परेंड) के दौरान भारतीय दल आकर्षण का केंद्र रहा। पैरा-बैडमिंटन स्टार प्रमोद भगत और पैरा-एथलीट



सिमरन शर्मा ने देश के ध्वज-वाहक के रूप में तिरंगा धाम रखा था। नागोया के पालोमा मिजुहो स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में इन दोनों ने भारतीय दल का नेतृत्व किया। भारतीय दल की पोशाक भी काफी खास रही। सभी सदस्यों ने गहरे नीले रंग के ब्लेजर पहने थे, जिन पर सिंधु घाटी सभ्यता से प्रेरित सुनहरे डिजाइन बने हुए थे। इन डिजाइन में प्रसिद्ध 'प्रोस्ट-किंग' (पुरोहित-राजा) की मूर्ति और 'डॉसिंग गर्ल' (नर्तकी) की आकृति के साथ-साथ प्राचीन मुहरें भी शामिल थीं, जो उस सभ्यता के विशिष्ट प्रतीकों और लिपि को दर्शाती हैं। ब्लेजर की जेब पर, यानी दिल के पास, भारत का तिरंगा लगा था, जबकि कॉलर पर 'सप्तसिंधु' को सम्मान दिया गया था। भारतीय दल में कुल 281 सदस्य शामिल हैं, जिनमें 168 खिलाड़ी (112 पुरुष और 56 महिलाएँ) हैं, जो 11 अलग-अलग खेलों में हिस्सा लेंगे। भारत अपने पिछले प्रदर्शन को और बेहतर बनाने की कोशिश करेगा, जहाँ खिलाड़ी कई पैरा-स्पोर्ट्स में पदक जीतने के लिए अपना जोर लगाएंगे।

‘कभी-कभी आपको इंतजार करना पड़ता है’,
वैभव को मौका न मिलने पर बोले कप्तान अय्यर

विश्व केसरी ■
बेंगलुरु। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई 5 टी20 मैचों की सीरीज में युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने वैभव को मौका नहीं मिलने की वजह बताई है। बेंगलुरु में शनिवार को बारिश की वजह से पांचवां टी20 धुलने के बाद वैभव को सीरीज में मौका नहीं मिलने पर अपनी राय रखते हुए अय्यर ने कहा कि संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के टॉप-3 में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की वजह से वैभव को मौका नहीं मिला। अय्यर ने कहा, 'मुझे पता है कि उसके दिमाग में क्या चल रहा होगा, खासकर जबरदस्त आईपीएल सीजन के बाद। लेकिन आपको कभी-कभी इंतजार

करना पड़ता है। हमारे पास दो शानदार ओपनर हैं, जो लगातार रन बना रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं बस उससे कहता रहता हूँ, तुम्हें मौका मिलेगा। सैमसन और अभिषेक ने हमारे लिए विश्व कप जीता है। वे लगातार रन बना रहे हैं। अगर आप अपने प्रोसेस में निरंतरता बनाए रखते हैं और आपका माइंडसेट थोड़ा हल्का है, तो अभी मौका मिलने के बारे में ज्यादा न सोचें। सूर्यवंशी ने 4 जुलाई को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ सीनियर इंडिया के लिए डेब्यू किया। उन्होंने उस सीरीज में तीन मैचों में साधारण प्रदर्शन किया। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में वैभव का प्रदर्शन अच्छा रहा था। तीन मैचों में 2 अर्धशतकों के साथ 151 रन बनाकर वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे।

इसके बाद अफगानिस्तान सीरीज में उन्हें मौका नहीं मिला था। एशियन गेम्स में श्रीलंका के खिलाफ 21 गेंदों पर 38 और फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ नौ गेंदों पर 15 रन उनके बल्ले से निकले। इसके बाद वैभव को अपने आगले मौके का इंतजार है। वैभव को भारतीय टीम के साथ 5 टी20 मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है। यह सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू हो रही है। देखना होगा कि वैभव को न्यूजीलैंड में मौका मिलता है या नहीं।



वेदांता हाफ मैराथन: माताता ने तोड़ा कोर्स
रिकॉर्ड, एलेमू ने जीता महिलाओं का खिताब



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। रविवार को वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2026 में केन्या के चार्ल्स माताता ने पुरुषों की एलीट रेस में कोर्स रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने 58:52 का समय निकाला, जो पिछले रिकॉर्ड से एक सेकंड कम था। महिलाओं

की एलीट कैटेगरी में इथियोपिया की वुदिनेश एलेमू ने 1:06:35 के समय के साथ खिताब अपने नाम किया। 'वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल' इवेंट के लिए राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर लगभग 40,000 धावक उतरे। माताता का यह प्रदर्शन उनका

अब तक का सर्वश्रेष्ठ (पर्सनल बेस्ट) भी रहा, जो पुरुषों की रेस में उनके दबदबे को दिखाता है। केन्या के ही सैमवेल न्यामाई माइलू और स्टेनली वैथाका म्बुरु क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे, जिससे पोंडियम पर पूरी तरह से केन्याई धावकों का कब्जा रहा। महिलाओं की एलीट कैटेगरी में एलेमू ने अपनी ही देश की सेला बुसिनेई को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि केन्या की सिंथिया चेलंगात चेपक्वोनी तीसरे स्थान पर रहीं। भारत के शैलेश कुशवाहा और अंकिता ध्यानी ने वेदांता हाफ मैराथन की 'भारतीय एलीट' श्रेणी में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का खिताब अपने नाम किया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी20 में
न्यूजीलैंड को 2 विकेट से हराया



विश्व केसरी ■
सिडनी। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को 2 विकेट से हराया। नॉर्थ सिडनी ओवल के मैदान पर न्यूजीलैंड से मिले 163 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने 18.5 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जॉर्जिया वोल बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। हालाँकि, इसके बाद बेथ मूनी और एलिसा पेरी ने मोर्चा संभाला। दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों में 86 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई। मूनी ने 25 गेंदों

में 6 चौके की मदद से 38 रन बनाए। वहीं, पेरी ने 30 गेंदों का सामना करते हुए 52 रनों की आतिशी पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान पेरी ने 9 चौके लगाए। हब्रहमालांकि, पेरी के आउट होने के बाद ऑस्ट्रेलिया टीम का बल्लेबाजी क्रम बुरी तरह से लड़खड़ा गया। 102 के स्कोर पर तीसरा विकेट गंवाने के बाद 159 तक पहुंचते-पहुंचते ऑस्ट्रेलिया ने अपने 8 विकेट खो दिए। एश्ले गार्डिनर 17 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुईं, तो जॉर्जिया वेयरहेम 10 रन ही बना सकीं। वहीं, एनाबेल सदरलैंड 9 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। निकोला केरी 3 रन बनाकर रनआउट हुईं।

त्रिकोणीय सीरीज: इरविन, टेलर और इवांस का
कमाल, जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को 99 रन से हराया

विश्व केसरी ■
अबू धाबी। जिम्बाब्वे ने यूएई में खेली जा रही वनडे त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत जीत के साथ की है। शनिवार को शेख जाएद स्टेडियम में खेले गए टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को 99 रन के बड़े अंतर से हराया।



जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ब्रायन बेनेट (0), बेन करन (6) और तफादजवा त्सिगा (16) 7वें ओवर में 24 के स्कोर पर पवेलियन लौट गए थे। 24 रन पर तीन विकेट गंवाकर मुश्किल में फंसी जिम्बाब्वे को अनुभवी बल्लेबाजों ब्रेंडन टेलर और क्रेग इरविन ने संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 174 तक पहुंचाया। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने सिंगल, डबल से पारी को संवारा और कमजोर गेंदों पर बाउंड्री भी लगाई। टेलर पांचवें विकेट के रूप में 101 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 81 रन बनाकर

जिम्बाब्वे का स्कोर 50 ओवर में 8 विकेट पर 271 रन तक पहुंचाया। बांग्लादेश के लिए तस्कीन अहमद ने 3, शोरिफुल इस्लाम और सैफ हसन ने 2-2 विकेट लिए। रिशाद हुसैन को 1 विकेट मिला। 272 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश की टीम 33.4 ओवर में 172 रन पर सिमट गई और 99 रन से मुकाबला हार गई। बांग्लादेश के लिए तंजीद हसन ने सर्वाधिक 46 रन बनाए। इसके

अलावा, सैफ हसन ने 26 और रिशाद हुसैन ने 23 रन बनाए। जिम्बाब्वे के लिए ब्रेंड इवांस ने शानदार गेंदबाजी की और 6.4 ओवर में 45 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, कप्तान सिकंदर रजा और वेलिंगटन मसाकादजा ने 2-2 विकेट लिए। ब्लेसिंग मुजारबानी और न्यामहुदी को 1-1 विकेट मिला। क्रेग इरविन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

एमएलएस: मेसी के दो गोल की बदौलत इंटर
मियामी ने अटलांटा यूनाइटेड को 3-1 से हराया



विश्व केसरी ■
अटलांटा। कप्तान लियोनेल मेसी के दो गोल और जर्मन बर्टराम के एक गोल की मदद से इंटर मियामी ने अटलांटा यूनाइटेड एफसी को 3-1 से हराया। यह जीत एमएलएस सीजन में टीम की लगातार तीसरी जीत है। मैच की बात करें तो शुरुआती मिनिटों में मुकाबला बराबरी का था, फिर इंटर मियामी ने बढ़त बना ली। मेसी 41वें मिनिट में फ्री-किक से गोल करने के करीब थे, जिसे अंततः अटलांटा के गोलकीपर ने टॉप-राइट कॉर्नर पर बचा लिया। इसके बाद बर्टराम ने 45वें मिनिट में ब्रेक से पहले इंटर मियामी को बढ़त दिलाई। उन्होंने सुआरेज की ओर से मिले एक

सटीक क्रॉस का फायदा उठाते हुए पेनल्टी एरिया के अंदर से हेड के जरिए गोल किया। इसके अलावा, मेसी ने इस प्ले में एक सेकेंडरी असिस्ट भी किया, जिससे उन्होंने लीग का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस रेगुलर सीजन में उन्होंने 15 असिस्ट किए। वह एमएलएस के इतिहास में लगातार तीन सीजन में कम से कम 15 असिस्ट करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। दूसरे हाफ की शुरुआत में इंटर मियामी ने 56वें मिनिट में अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। मेसी ने दाईं ओर से गेंद ली और विरोधी टीम के पिच के तीसरे हिस्से के सेंटर में चले गए, जहां उन्होंने बर्टराम के साथ मिलकर तेजी से गोल किया।

वॉलीबॉल चैंपियंस लीग: हरियाणा हरिकेन्स,
अयोध्या गर्जन ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

विश्व केसरी ■
नोएडा। हरियाणा हरिकेन्स ने वॉलीबॉल चैंपियंस लीग (वीएसएल) में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए, शनिवार को नोएडा इंडोर स्टेडियम में सुपर 6 मैच में एम्पेरिया मराठा को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। पहला सेट 18-21 से हारने के बाद हरियाणा को शुरुआती झटके से उबरना पड़ा। हालाँकि, हरिकेन्स ने जोरदार जवाब दिया और अपने खेल का लेवल बढ़ाते हुए दूसरा सेट 21-16 से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया। हरियाणा ने अपनी लय को बनाए रखा और तीसरा सेट 21-13 से जीतकर मैच अपने नाम किया। इस जीत से हरियाणा ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। चिराग यादव ने हरियाणा के लिए अपना शानदार फॉर्म जारी रखा और जीत में उनके योगदान के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उनके टीममेट चेतन को इम्पैक्ट प्लेयर चुना गया। मैच के बाद चिराग यादव ने कहा, 'यह मैच जीतकर और हरियाणा हरिकेन्स को सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने में



मदद करके बहुत अच्छा लग रहा है। एम्पेरिया मराठाज ने जबरदस्त शुरुआत की और पहला सेट जीत लिया, लेकिन हम सकारात्मक रहे और अपने प्लान पर फोकस किया।' उन्होंने कहा, 'हम जानते थे कि हमें मुझे खुशी है कि हम काम पूरा कर पाए। अब

हम सेमीफाइनल पर फोकस करेंगे और इस जीत के सिलसिले को जारी रखने के लिए अपना बेस्ट देंगे।' इस बीच, अयोध्या गर्जन ने सुपर 6 मैच में दिल्ली डायनामाइट्स को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अयोध्या ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा, तीनों सेट 21-12, 21-17 और 21-17 से जीते। टीम ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा। दिल्ली ने दूसरे और तीसरे सेट में अयोध्या को चुनौती देने की कोशिश की, लेकिन गर्जन ने अहम मौकों पर अपनी विरोधी टीम को वापसी करने से रोकने के लिए मजबूती दिखाई। इस जीत ने अयोध्या के मजबूत फॉर्म को और दिखाया क्योंकि वे नॉकआउट स्टेज में पहुंच गए। केएम फासिल को जीत में उनके योगदान के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि उनके टीममेट प्रिंस को इम्पैक्ट प्लेयर का अवार्ड मिला। मैच के बाद फासिल ने कहा, 'हम एक साफ प्लान के साथ मैच में आए थे और तीनों सेट में इसे अच्छी तरह से लागू करने पर ध्यान दिया।

स्वर्ण पदक जीतने वाले गौरव और शिल्पी हुए सम्मानित

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। देशभर में नवरात्रि की धूम है। नवरात्रि से ठीक पहले भारत के एथलीटों ने जापान के आइची-नागोया में खेले गए एशियन गेम्स 2026 में अलग-अलग विधाओं में दमदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए पदक जीते थे। नवरात्रि के अवसर पर बने पंडालों और रामलीला कार्यक्रमों के बीच एशियन गेम्स में देश के लिए पदक जीतने वालों का सम्मान किया जा रहा है।



दिल्ली के नरेला की ऐतिहासिक सुभाष रामलीला में एशियन गेम्स में कबड्डी में गोल्ड मेडल जीतने वाली पुरुष टीम के सदस्य गौरव खत्री और महिला हॉकी में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम की सदस्य शिल्पी डबास को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गौरव खत्री ने आईएनएस से कहा, 'मैं देश के लिए गोल्ड मेडल लाया हूँ, इसलिए मेरे परिवार, रिश्तेदारों और गांव वालों को बहुत गर्व है। इतना सम्मान और इज्जत पाकर बहुत अच्छा लग रहा है। शिल्पी डबास ने आईएनएस से कहा,

'हमें बुलाने और सम्मान देने के लिए मैं सभी को धन्यवाद देना चाहूंगी। हम गोल्ड मेडल घर लाकर बहुत खुश हैं। सब कुछ बहुत बढ़िया है। हमें हर जगह से तारीफ मिल रही है, जो और भी अच्छा लग रहा है। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष और महिला कबड्डी और हॉकी टीमों का प्रदर्शन यादगार और सुनहरा रहा। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला और पुरुष दोनों कबड्डी टीमों ने फाइनल मुकाबले में ईरान को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। वहीं, भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था, जबकि पुरुष हॉकी टीम ने मलेशिया को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीता था। पुरुष टीम ने पाकिस्तान को, जबकि महिला टीम ने श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय दल ने एशियन गेम्स 2026 में कुल 85 पदक जीते। इसमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक थे।

मंगल के चांद से मिट्टी लाएगा जापानी यान, इतिहास का पहला राउंड-ट्रिप मिशन 20 अक्टूबर को होगा लॉन्च



विश्व केसरी ■ टोक्यो। जापान मंगल के चांद फोबोस से सैंपल लाने के लिए ऐतिहासिक ‘मार्शियन मून एक्सप्लोरेशन’ (एमएमएक्स) मिशन लॉन्च करने जा रहा है। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएक्सए) का एच3 रॉकेट 20 अक्टूबर को तानेगाशिमा स्पेस सेंटर से उड़ान भरेगा। यह मानव इतिहास में मार्स सिस्टम का पहला राउंड-ट्रिप मिशन होगा।

रोवर—जो कॉमिक हीरो एस्टेरिक्स के कुत्ते का फ्रांसीसी नाम है—सबसे पहले सतह का निरीक्षण करेगा ताकि सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित की जा सके। फोबोस से नमूने लेना दुनिया में अपनी तरह का पहला प्रयास है।

जेएक्सए ने कहा कि यह मिशन फोबोस को एक ‘प्राकृतिक अंतरिक्ष स्टेशन’ के रूप में इस्तेमाल करने की संभावनाओं का भी पता लगाएगा। इसके लिए मंगल तक की राउंड-ट्रिप की जरूरतों को समझा जाएगा, जो ‘इंसानों के साथ मंगल की खोज’ के लिए बहुत जरूरी है। पृथ्वी पर लौटने से पहले, यह यान मंगल के दूसरे चंद्रमा ‘डीमोस’ का भी निरीक्षण करेगा, हालांकि यह उस पर उतरना नहीं।

जेएक्सए को उम्मीद है कि इस मिशन से पता चलेगा कि मंगल और उसके दो चंद्रमा कैसे बने। यह जानकारी सौर मंडल की उत्पत्ति को समझने में एक अहम कड़ी साबित हो सकती है।

मंगल के चंद्रमाओं की उत्पत्ति के बारे में एक सिद्धांत ‘जॉयंट इम्पैक्ट’ (विशाल टकराव) परिकल्पना है। इसके अनुसार, ये चंद्रमा तब बने जब कोई खगोलीय पिंड मंगल से टकराया था।

वहीं, दूसरी ओर ‘कैप्चर’ परिकल्पना यह मानती है कि ये चंद्रमा असल में क्षुद्रग्रह (एस्टेरॉयड) थे, जिन्हें मंगल के गुरुत्वाकर्षण बल ने अपनी ओर खींच लिया था। जेएक्सए ने सूर्य के सबसे करीब मौजूद चार चट्टानी ग्रहों बुध, शुक्र, पृथ्वी और मंगल का जिक्र करते हुए कहा कि इनमें से कौन-सा सही है, यह जानने से यह समझने में मदद मिलेगी कि ‘स्थलीय ग्रहों पर जीवन के लिए रहने योग्य वातावरण कैसे बना होगा।

एमएमएक्स मिशन, फ्रांस के नेशनल सेंटर फॉर स्पेस स्टडीज (सीएनईएस), जर्मन एयरोस्पेस सेंटर (डीएलआर), नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और लगभग 20 विश्वविद्यालयों व तकनीकी कंपनियों का एक संयुक्त प्रयास है।

जेएक्सए के वैज्ञानिकों के अनुसार, इस अंतरिक्ष यान के ‘लैंडिंग लेग्स’ (उतरने वाले पैर) को विकसित करना विशेष रूप से कठिन था, क्योंकि फोबोस पर गुरुत्वाकर्षण बहुत ही कमजोर है।

जापान का मानवरहित ‘स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून’ (स्लिम) जिसे ‘मून स्नाइपर’ भी कहा जाता है 2024 में पृथ्वी के चंद्रमा पर उतरने के बाद पलट गया था। इसके बावजूद, इसने डेटा भेजना जारी रखा और चंद्रमा की दो-सप्ताह लंबी कई रातों तक सुरक्षित बना रहा।

कैंसर की दवाएं होंगी अधिक किफायती, सरकार ने ट्रेड मार्जिन पर लगाई सीमा



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। कैंसर मरीजों के लिए बड़ी राहत की खबर है। सरकार ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 प्रतिशत पर सीमित कर दिया है। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) के इस फैसले से कई कैंसर की दवाओं की कीमत 70 प्रतिशत तक कम होने की उम्मीद है।

यह कदम रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्युटिकल्स विभाग के तहत ट्रेड मार्जिन रेशनलाइजेशन (टीएमआर) का हिस्सा है, जिसका मकसद वितरण भ्रूखला में अत्यधिक मार्जिन को रोकना है।

सभी निर्माताओं को गजट अधिसूचना के प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर एनपीपीए को अपनी संशोधित कीमतों के बारे में सूचित करना होगा। संशोधित कीमतें 9 नवंबर 2026 से प्रभावी होंगी। निर्माताओं को अपनी वेबसाइट पर मूल्य सूची प्रदर्शित करनी होगी और सभी खुदरा विक्रेताओं और अस्पतालों को इसकी जानकारी देनी होगी।

सभी खुदरा विक्रेता और अस्पताल 9 नवंबर 2026 से कम कीमतें वसूल करेंगे और अपनी फार्मिसियों में संशोधित कीमतों को प्रदर्शित करेंगे। अस्पताल भी अपनी वेबसाइटों पर संशोधित कीमतों को प्रमुखता से दिखाएंगे। उपभोक्ता

संशोधित कीमतों की जांच के लिए फार्मा सही दाम ऐप और एनपीपीए वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं। सरकार का कहना है कि कैंसर रोधी दवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बनाकर यह पहल मरीजों और उनके परिवारों पर वित्तीय बोझ को कम करने में मदद करेगी।

137 चिह्नित दवाओं में 20 से अधिक प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाली इम्यूनोथेरेपी दवाएं, ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली डेनोसुमैब, कैंसर रोगियों में न्यूट्रोपेनिया को रोकने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पैगफिलग्रास्टिम और कोलन, अंडाशय और सर्वाइकल कैंसर के इलाज के लिए स्वीकृत बेवासिजुमैब शामिल हैं।

इस अधिसूचना के साथ पेम्ब्रोलिजुमैब, डुरवलुमैब और ओसिमार्टिनिब जैसी व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली कैंसर रोधी दवाओं की एमआरपी मरीजों के लिए अधिक सुलभ होने की उम्मीद है।

यह हस्तक्षेप एनपीपीए के 2019 के पायलट अभ्यास पर आधारित है, जिसके तहत 42 कैंसर रोधी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत पर सीमित किया गया था। उस अभ्यास के बाद गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं के 526 ब्रांडों की एमआरपी 90 प्रतिशत तक कम हो गई थी।

गर्भावस्था में हाई बीपी को न करें नजरअंदाज, मां और बच्चे की सेहत के लिए समय पर जांच बेहद जरूरी



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अपनी सेहत का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। इस दौरान शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं, जिनमें ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव भी शामिल है। कई बार गर्भवती महिलाएं हाई ब्लड प्रेशर यानी उच्च रक्तचाप को सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन ऐसा करना मां और बच्चे दोनों के लिए खतरनाक हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, गर्भावस्था में हाई ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्याएं मातृ मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं की प्रमुख वजहों में शामिल हैं। ऐसे में समय पर जांच और इलाज बेहद जरूरी है।

डब्ल्यूएचओ की मानें तो दुनियाभर में लगभग 10 से 15 प्रतिशत गर्भवधाराण में हाई ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्याएं सामने आती हैं। इनमें प्री-एक्लेम्पसिया जैसी गंभीर स्थिति भी शामिल है। गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप से जुड़े विकारों के कारण हर साल दुनियाभर में लगभग 42 हजार महिलाओं की मौत होने का अनुमान है। इसके अलावा, इन समस्याओं के चलते पांच लाख से ज्यादा मृत-जन्म और नवजात शिशुओं की मौत के मामले भी सामने आते हैं।

आंकड़े बताते हैं कि गर्भावस्था के दौरान ब्लड प्रेशर की नियमित जांच कितनी महत्वपूर्ण है। समय रहते समस्या की पहचान होने पर उचित इलाज और निगरानी से गंभीर जटिलताओं का खतरा कम किया जा सकता है।

प्री-एक्लेम्पसिया गर्भावस्था से जुड़ी एक गंभीर स्थिति है, जिसमें आमतौर पर 20 सप्ताह के बाद हाई ब्लड प्रेशर विकसित होता है और इसके साथ शरीर के अंगों, खासकर किडनी या लिवर पर असर पड़ने के संकेत मिल सकते हैं। कई बार यूरिन में प्रोटीन की मात्रा भी पाई जाती है। अगर समय पर इसका पता न चले और इलाज न मिले, तो यह मां और बच्चे दोनों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

सिर्फ महिलाओं को नहीं, पुरुषों को भी हो सकता है ब्रेस्ट कैंसर : डब्ल्यूएचओ

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। ब्रेस्ट कैंसर का नाम सुनते ही आमतौर पर हमारे मन में महिलाओं की तस्वीर आती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि पुरुष भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, ब्रेस्ट कैंसर के करीब 99 प्रतिशत मामले महिलाओं में पाए जाते हैं, जबकि लगभग 0.5 से 1 प्रतिशत मामले पुरुषों में होते हैं। संख्या भले ही कम हो, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि पुरुषों में इस बीमारी का खतरा नजरअंदाज कर दिया जाए।

हर साल अक्टूबर को ‘ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह’ के रूप में मनाया जाता है। इसका मकसद लोगों को बीमारी के बारे में जागरूक करना, समय पर पहचान और इलाज के महत्व को समझाना और इससे प्रभावित लोगों को समर्थन देना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, गर्भावस्था में हाई ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्याएं मातृ मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं की प्रमुख वजहों में शामिल हैं। ऐसे में समय पर जांच और इलाज बेहद जरूरी है।

डब्ल्यूएचओ की मानें तो दुनियाभर में लगभग 10 से 15 प्रतिशत गर्भवधाराण में हाई ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्याएं सामने आती हैं। इनमें प्री-एक्लेम्पसिया जैसी गंभीर स्थिति भी शामिल है। गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप से जुड़े विकारों के कारण हर साल दुनियाभर में लगभग 42 हजार महिलाओं की मौत होने का अनुमान है। इसके अलावा, इन समस्याओं के चलते पांच लाख से ज्यादा मृत-जन्म और नवजात शिशुओं की मौत के मामले भी सामने आते हैं।

आंकड़े बताते हैं कि गर्भावस्था के दौरान ब्लड प्रेशर की नियमित जांच कितनी महत्वपूर्ण है। समय रहते समस्या की पहचान होने पर उचित इलाज और निगरानी से गंभीर जटिलताओं का खतरा कम किया जा सकता है।

प्री-एक्लेम्पसिया गर्भावस्था से जुड़ी एक गंभीर स्थिति है, जिसमें आमतौर पर 20 सप्ताह के बाद हाई ब्लड प्रेशर विकसित होता है और इसके साथ शरीर के अंगों, खासकर किडनी या लिवर पर असर पड़ने के संकेत मिल सकते हैं। कई बार यूरिन में प्रोटीन की मात्रा भी पाई जाती है। अगर समय पर इसका पता न चले और इलाज न मिले, तो यह मां और बच्चे दोनों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

मां महागौरी से जुड़ी है तुलसी, जानिए इस पवित्र औषधि के चमत्कारी गुण



आयुर्वेद में तुलसी को सुरसा, विष्णुप्रिया और तुवरी जैसे नामों से भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों में कई ऐसे प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं, जिन पर स्वास्थ्य संबंधी लाभों को लेकर वैज्ञानिक अध्ययन भी किए गए हैं।

सर्दी-खांसी में मददगार:

तुलसी की पत्तियों का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से सर्दी, खांसी और गले की परेशानी में किया जाता है। हालांकि, गंभीर संक्रमण या सांस लेने में परेशानी होने पर केवल घरेलू नुस्खों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

इम्युनिटी के लिए उपयोगी: तुलसी एक प्राकृतिक इम्युनिटी बूस्टर है। यह वायरल, बैक्टीरिया और फंगल इन्फेक्शन से शरीर की रक्षा करती है।

तनाव कम करने में सहायक: तुलसी में ‘एण्डोजेनिक’ गुण पाए जाते हैं, जो शरीर में तनाव पैदा करने वाले हार्मोन को नियंत्रित करते हैं और मन को शांत रखते हैं।

रक्त शोधन व हृदय स्वास्थ्य: तुलसी रक्त को शुद्ध करती है, कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करती है और हृदय की कार्यक्षमता में सुधार लाती है।

पाचन में मदद: पारंपरिक चिकित्सा में तुलसी का इस्तेमाल पाचन संबंधी परेशानियों में किया जाता है।

Network COMPUTERS

Wholesale & Retail Shop
कंप्यूटर से जुड़ी हर जरूरत का एक ही नाम...

LAPTOP

- New Laptop
- Refurbished Laptop
- Best Price
- Original with Warranty

DESKTOP

- Branded Desktop
- Custom PC Build
- Home & Office Use
- Upgrade & Service

PRINTER

- Inkjet | Laser | All in One
- Sales & Service
- Original Cartridge & Toner
- Bulk Printing Solutions

CCTV CAMERA

- Hikvision / CP PLUS / Dahua
- Installation & AMC
- Home / Office / Shop / Industry

NETWORKING

- Router / Switch / Access Point
- LAN & Wi-Fi Setup
- Network Cabling & Configuration
- Office & Enterprise Solution

INTERACTIVE PANEL

- Smart Class Solution
- Office Presentation
- Interactive Flat Panel
- Projector & Screen

ACCESSORIES

- Keyboard | Mouse
- Headphone | Laptop Bag
- Webcam | Many More...

GENUINE PRODUCTS

EXPERT SERVICE SUPPORT

BEST PRICES

BUSINESS & BULK SUPPLY

GOVT. ORDERS (Gst Supply)

Shop No. FF-30 (1st Floor),
Millenium Plaza, Banstall Road, Raipur (C.G.)
☎ 9329100386
07714095051
✉ narad_nishad@rediffmail.com

9329100386
07714095051

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189170
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

☎ Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.)
☎ Amapara, Pitalband Road, Rajim, Garivaband (C.G.)
✉ drprajwalsoni@gmail.com

☎ 911677722
☎ 7509007388

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रांली, कंक्रट मिक्सर, वाटर टेकर, बेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य **कृषि कार्य** **ग्रामीण क्षेत्र** **उद्योग एवं प्रोसेसिंग**

सिंचाई एवं बागवानी **किसानों हेतु उपयुक्त**

निर्माता व विक्रेता:
वीनस मशीनरी
एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-3149312, मो. : 93433500569, 9516906000

विश्वकट बटल
(अक्टूबर 2027)

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईट, नया ले जाईये

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गौंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST फाइल बनवाएं
मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव

- CMA Data + Balance Sheet + प्रोजेक्ट रिपोर्ट
- फूड लाइसेंस Income Tax Audit + TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं **9300755544, 8878655544**

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.
83700 09993

:H.O.:

- Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994

:OUTLETS:

- Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997

एनसीआरटीसी ने मनाया ‘नमो भारत दिवस 2026’, सेवा के तीन सफल वर्ष पूरे

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। एनसीआरटीसी ने ‘नमो भारत दिवस 2026’ मनाया, जो नमो भारत अभियान के तीन सफल वर्षों और क्षेत्रीय गतिशीलता में एक परिवर्तनकारी यात्रा का प्रतीक है। इस अवसर पर आवास एवं शहरी मामलों और विद्युत मंत्री मनोहर लाल, आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के राजधानी विकास विभाग की सचिव और एनसीआरटीसी की अध्यक्ष डी. थारा और शहरी विकास विभाग के सचिव सतेंद्र सिंह उपस्थित थे। एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल ने निदेशकों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर, एनसीआरटीसी ने नमो भारत की उल्लेखनीय यात्रा पर प्रकाश डाला, जिसमें प्रमुख उपलब्धियों, बहुआयामी कनेक्टिविटी को मजबूत करने की पहलों, यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रथम और

अंतिम मील कनेक्टिविटी, और परियोजना की पर्यावरणीय और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए सोलर ऑन ट्रेक जैसी पहलों और 110 मेगावाट के कैप्टिव सौर ऊर्जा संयंत्र के विकास पर प्रकाश डाला गया। इन उपलब्धियों और परियोजना द्वारा की गई प्रगति को एक फिल्म के माध्यम से प्रदर्शित किया गया, जिसमें नमो भारत की यात्रा को आकार देने वाले प्रयासों, नवाचारों और पहलों को दर्शाया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों और विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने कहा, ‘‘नमो भारत’’ मात्र एक नाम नहीं है; यह राष्ट्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की भावना के साथ-साथ समर्पण, संस्कृति और

की जा चुकी हैं। यह उपलब्धि आधुनिक, सुरक्षित और सुगम परिवहन में लोगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है।’

उन्होंने आगे कहा, ‘मेरा मानना है कि बेहतर परिवहन व्यवस्था न केवल शहरों के बीच की दूरी कम करती है, बल्कि लोगों को नए अवसरों से भी जोड़ती है, जिससे क्षेत्रीय विकास और आर्थिक प्रगति में तेजी आती है। मैं इस महत्वाकांक्षी परियोजना को साकार करने में अपना पूरा समर्पण और प्रतिबद्धता दिखाने के लिए एनसीआरटीसी के सभी अधिकारियों, इंजीनियरों, तकनीकी विशेषज्ञों, कर्मचारियों और श्रमिकों की सराहना करता हूं।’

नमो भारत सेवा का संचालन अक्टूबर 2023 में साहिबाबाद और दुहाई डिपो के बीच 17 किलोमीटर के प्राथमिकता खंड के उद्घाटन के साथ शुरू हुआ। इसके बाद, पूरे कॉरिडोर को चरणबद्ध तरीके से चालू किया गया। 22 फरवरी 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ मेट्रो के साथ पूरे 82 किलोमीटर लंबे नमो भारत कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किया।



विश्व केसरी■
नई दिल्ली। केरल से सीपीआई (एम) के राज्यसभा जॉन ब्रिटास ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की विजिटर के रूप में भारत की राष्ट्रपति को पत्र लिखा है। ब्रिटास ने उनसे जेएनयूएसयू प्रतिनिधियों और अन्य छात्रों द्वारा 3 अक्टूबर, 2026 से शुरू हुई अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

उन्होंने निर्वाचित छात्र संघ प्रतिनिधियों के खिलाफ निष्कासन आदेशों को रद्द करने, मुख्य प्रॉक्टर कार्यालय (सीपीओ) नियमावली के आपत्तिजनक प्रावधानों को वापस लेने और छात्रों की लंबे समय से चली आ रही शिकायतों के समाधान का आग्रह किया है।

शिक्षा मंत्री को लिखे एक अलग पत्र में, उन्होंने भूख हड़तालियों के बिगड़ते स्वास्थ्य और परिसर में लोकतांत्रिक भागीदारी पर लंबे समय तक चलने वाली अनुशासनात्मक कार्रवाई के प्रभावों पर चिंता व्यक्त की है और छात्र कल्याण की रक्षा और शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ तत्काल बातचीत करने का आग्रह किया है।

ब्रिटास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राज्यसभा चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें एवं कार्यकाल) विधेयक था। जब इसे राज्यसभा में प्रस्तुत किया गया, तो हमने इसका स्पष्ट विरोध किया और इसकी गंभीर खामियों को उजागर करते हुए सदन में सरकार को चेतावनी दी कि इसके पारित होने से विनाशकारी परिणाम होंगे। आज, विधेयक के कानून बनने के दो साल बाद, उस समय उठाए गए मुद्दे पूरी तरह से सच साबित हो चुके हैं। लोकतंत्र को पुनः प्राप्त करने का यह ऐतिहासिक संघर्ष आज उसी कानून का प्रत्यक्ष परिणाम है।

गरबा को नाइट क्लब न बनने दिया जाए, धार्मिक और सांस्कृतिक मर्यादा बनाए रखना जरूरी: विहिप

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने राजधानी दिल्ली में कुछ स्थानों पर आयोजित होने वाले गरबा कार्यक्रमों को लेकर चिंताएं जताई हैं। विहिप ने आशंका जताई कि कुछ आयोजनों को गरबा के पारंपरिक और सांस्कृतिक स्वरूप से हटाकर नाइट क्लब और पार्टी के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है। साथ ही, विहिप ने कहा कि गरबा को नाइट क्लब नहीं बनने दिया जाएगा।

विश्व हिंदू परिषद ने दिल्ली में गरबा आयोजनों की जांच की मांग करते हुए रविवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को एक पत्र लिखा। इसमें

परिवर्तित किया जा रहा है। विहिप का स्पष्ट मत है कि अगर किसी आयोजन को गरबा के नाम पर अनुमति दी गई है तो उसमें गरबा की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान स्पष्ट रूप से दिखाई देनी चाहिए।

साथ ही, विहिप ने लिखा कि मां दुर्गा की प्रतिमा के साथ आराधना और पारंपरिक गरबा व डांडिया की सांस्कृतिक भावना के स्थान पर उसे नाइट क्लब जैसा मनोरंजन कार्यक्रम नहीं बनाया जाना चाहिए। इसी प्रकार आयोजन में अशोभनीय प्रदर्शन, फूहड़ता, अनुशासनहीनता या ऐसा कोई स्वरूप नहीं होना एवं सांस्कृतिक स्वरूप से हटाकर नाइट क्लब व पार्टी के स्वरूप में

पुलिस की मोटरसाइकिल पेट्रोलिंग तेज, यातायात आवागमन पर विशेष जोर

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अपनी मोटरसाइकिल यूनिट (एमटीयू) के जरिए मोटरसाइकिल पेट्रोलिंग तेज कर दी है। यह फैसला व्योहारी सीजन और वाहनों की आवाजाही में संभावित वृद्धि को देखते हुए लिया गया है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस (जोन-1) ने सुबह और शाम के व्यस्त समय (पीक आवर्स) के दौरान अपनी मोटरसाइकिल यूनिट (एमटीयू) के जरिए मोटरसाइकिल पेट्रोलिंग तेज कर दी है। इसका उद्देश्य ट्रैफिक को सुचारु बनाए रखना, जाम को रोकना और आम

कश्मीरी गेट रोड और खन्ना मार्केट जैसी महत्वपूर्ण जगहें शामिल हैं।

एमटीयू के कर्मचारी पीक आवर्स के दौरान ट्रैफिक के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्त कर रहे हैं। वे ट्रैफिक की स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और जाम की समस्या को तुरंत दूर करने के साथ-साथ वाहनों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं। इस बड़ी हुई गश्त का मकसद सड़क पर ट्रैफिक मैनेजमेंट को बेहतर बनाना, ट्रैफिक में रुकावट आने पर तुरंत कार्रवाई करना और लोगों का समय बर्बाद होने से बचाना है।



सीआईएसएफ का पुनर्गठन: देश के क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा को मिलेगी नई धार

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। देश के अति-संवेदनशील और रणनीतिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को और अभेद्य बनाने के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) अपनी प्रशासनिक और ऑपरेशनल व्यवस्था में एक बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव करने जा रहा है। गृह मंत्रालय (एमएचए) की मंजूरी के बाद यह नया ढांचा 1 नवंबर 2026 से पूरे देश में लागू हो जाएगा।

इस पुनर्गठन का मुख्य उद्देश्य सीआईएसएफ की कमान और निगरानी व्यवस्था को अलग-अलग सेक्टर (जैसे- बिजली, कोयला, स्टील, पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस, बंदरगाह,

व प्रतिष्ठान के प्रबंधन के साथ तालमेल और मजबूत होगा। सीआईएसएफ वर्तमान में हवाई अड्डों, बंदरगाहों, परमाणु और अंतरिक्ष केंद्रों, पावर प्लांट्स, स्टील प्लांट्स, कोयला खदानों, पेट्रोलियम रिफाइनरियों, नोट छापने वाली प्रेसों, सरकारी इमारतों, ऐतिहासिक स्मारकों और मेट्रो जैसी अलग-अलग तरह की संपत्तियों की सुरक्षा करता है। इनमें से हर जगह की काम करने की प्रक्रिया, बुनियादी ढांचा, संभावित खतरे और सुरक्षा की चुनौतियां बिल्कुल अलग होती हैं।

पहले सुरक्षा की जिम्मेदारी मुख्य रूप से ‘क्षेत्र’ (इलाके) के आधार पर तय होती थी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने ईसीआई की प्रक्रिया को दी मंजूरी, एसआईआर में नाम कटने पर फॉर्म-6 भरने का निर्देश

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की मौजूदा प्रक्रिया को सही ठहराया है। कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी के एक मतदाता को ‘फॉर्म 6’ भरने का निर्देश दिया है, जिसका इस्तेमाल नए मतदाताओं के रजिस्ट्रेशन के लिए होता है।

दरअसल, घर बदलने की वजह से एसआईआर (विशेष पुनरीक्षण) प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से उस व्यक्ति का नाम हटा दिया गया था। उसने

पाया था। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि जब मतदाता सूची के लिए फॉर्म भरे जा रहे थे, तब वे अपना फॉर्म नहीं भर पाए क्योंकि वे अपना पुराना घर छोड़ चुके थे। इस वजह से मतदाता सूची से उनके नाम हटा दिए गए।

दत्त और अन्य याचिकाकर्ताओं की मांग थी कि ईसीआई उनके मौजूदा मतदाता रिकॉर्ड को ‘फॉर्म 8’ के जरिए नए पते पर ट्रांसफर कर दे, न कि उन्हें ‘फॉर्म 6’ भरकर फिर से नया रजिस्ट्रेशन कराना पड़े। उनकी दलील को कोर्ट ने स्वीकार नहीं किया। जस्टिस मेहता और जस्टिस चौधरी ने चुनाव आयोग के इस आशवासन को रिकॉर्ड पर लिया कि अगर दत्ता मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए ‘फॉर्म 6’ का इस्तेमाल करते हैं, तो उन पर गलत घोषणा करने का आरोप नहीं लगाया जाएगा।

चुनाव आयोग का ‘फॉर्म 6’ नए मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने के लिए होता है, जबकि ‘फॉर्म 8’ का इस्तेमाल पता बदलने या मौजूदा मतदाता सूची में दर्ज जानकारी को ठीक कराने के लिए किया जाता है।



विरोध-प्रदर्शनों के कारण 10 दिन में व्यापारियों को 4 हजार करोड़ का नुकसान: प्रवीण खंडेलवाल

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। कम्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के महासचिव और चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली में हो रहे विरोध-प्रदर्शनों के कारण हर पिछले 10 दिनों में 4 हजार का नुकसान व्यापारियों को झेड़ना पड़ता है।

लंबे समय तक चलने वाले विरोध-प्रदर्शनों के आर्थिक असर पर चिंता जताते हुए खंडेलवाल ने कहा कि ट्रैफिक, परिवहन, ग्राहकों की आवाजाही और बाजारों तक पहुंच में रुकावटें राजधानी की व्यावसायिक गतिविधियों पर गहरा असर डाल सकती हैं। ऐसा खास

इससे दिल्ली के व्यापार को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। अगर पिछले 10 दिनों का आकलन किया जाए, तो दिल्ली के व्यापारियों को लगभग 4,000 करोड़ रुपये के व्यापारिक नुकसान का सामना करना पड़ा है। कोई भी उसके दर्द को समझने को तैयार नहीं है। सिर्फ व्यापारी ही नहीं, बल्कि हमारे रेहड़ी-पटरी और ठेले वाले की आजीविका पर एक बहुत बड़ी चोट पड़ी है।

खंडेलवाल ने इस बात पर जोर दिया कि भले ही संविधान नागरिकों को बोलने की आजादी और शांतिपूर्ण तरीके से इकठ्ठा होने का अधिकार देता है, लेकिन व्यापारियों

को भी बिना किसी अनावश्यक रुकावट के अपना कारोबार करने और अपनी आजीविका कमाने का हक होना चाहिए।

खंडेलवाल ने आगे कहा, ‘विरोध करने का अधिकार और व्यापार करने का अधिकार, दोनों ही एक स्वस्थ लोकतंत्र का अहम हिस्सा हैं। एक की रक्षा करने का मतलब दूसरे की अनदेखी करना नहीं होना चाहिए। व्यापक जनहित के लिए एक जिम्मेदार रवैया अपनाना जरूरी है, जिसमें लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति, कानून के शासन, आर्थिक गतिविधियों और लाखों लोगों की आजीविका का पूरा सम्मान किया जाए।’

